25 फरवरी 2026
बुधवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

चौसा में टारगेटेड ट्रैकिंग का शिकार बना ग्राहक कार का शीशा काट तीन लाख ले भागे चोर 2

एक नजर

जम्मू और श्रीनगर के बीच दौड़ेगी वंदे भारत

श्रीनगर । जम्मू और श्रीनगर के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए अच्छी खबर हैं। रेलवे ने इस रूट पर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का संचालन शुरू करने जा रहा है। ट्रेन एक मार्च से शुरू होगी। इसके साथ ही वंदे भारत ट्रेन की रेक को 8 कोच से बढ़ाकर 20 कोच कर दिया गया है। फिलहाल वंदे भारत ट्रेन कटरा और श्रीनगर के बीच चलाई जा रही है। उत्तर रेलवे के मुताबिक, श्रीमाता वैष्णो देवी कटड़ा-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का परिचालन विस्तार जम्मू तक कर दिया है। विस्तार के बाद जम्मू से श्रीनगर तक की यात्रा में कुल चार घंटे 50 मिनट का समय लगेगा। वंदे भारत ट्रेन औसतन 55 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से चलेगी। फिलहाल जम्मू से श्रीनगर पहुंचने में करीब आठ घंटे का समय लगता है। यह ट्रेन श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा, रियासी, बनिहाल और श्रीनगर के अलावा अब बजालता और रामनगर स्टेशनों पर भी रुकेगी।

चुनाव आयोग का राष्ट्रीय गोलमेज सम्मेलन शुरू

नई दिल्ली। भारत मंडपम में मंगलवार को चुनाव आयोग और देशभर के राज्य निर्वाचन आयुक्तों का राष्ट्रीय गोलमेज सम्मेलन शुरू हो गया। सम्मेलन की अध्यक्षता मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार कर रहे हैं। इस अवसर पर चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी भी मौजूद रहे। देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के राज्य निर्वाचन आयुक्त अपने कानूनी और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ बैठक में हिस्सा ले रहे हैं। इसके साथ ही 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारी भी सम्मेलन में शामिल हुए। चुनाव आयोग का यह गोलमेज सम्मेलन 27 वर्षों बाद आयोजित किया जा रहा है। इस प्रकार का सम्मेलन आखिरी बार वर्ष 1999 में हुआ था। सम्मेलन की शुरूआत में मुख्य चुनाव आयुक्त और दोनों चुनाव आयुक्तों ने प्रतिभागियों को संबोधित कर चर्चा की दिशा तय की। इस दौरान आयोग ने 'लोकतंत्रों का संगम' नाम की पुस्तक का भी लोकार्पण भी किया। ज्ञानेश कुमार ने कहा कि देश के हित और संवैधानिक तालमेल के लिए चुनाव आयोग और राज्य चुनाव आयोग को वोटर को ध्यान में रखते हुए मिलकर काम करना चाहिए।

केंद्र सरकार के तीन बड़े फैसले, रेल-जूट और एयरपोर्ट को बूस्ट

- केरल का नाम बदलकर केरलम करने जैसे महत्वपूर्ण निर्णय
- इन्फ्रास्ट्रक्चर और नीतिगत फैसलों का कुल वित्तीय परिव्यय 12,236 करोड़ रुपये
- पूर्वी और मध्य भारत के औद्योगिक विकास को नई गति

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने इंफ्रास्ट्रक्चर विकास को रफ्तार देने के लिए एक और बड़ा कदम उठाया है। मंगलवार को हुई यूनियन कैबिनेट की बैठक में रेलवे, मेट्रो और एविएशन क्षेत्र के अहम प्रोजेक्ट्स को हरी झंडी मिल गई। इन सभी परियोजनाओं की कुल लागत 12,236 करोड़ रुपये है। साथ ही पावर सेक्टर में सुधारों को लेकर नीतिगत फैसले लिए गए और केरल राज्य का नाम बदलकर केरलम करने की मंजूरी भी दे दी गई। कैबिनेट ने रेल नेटवर्क को और मजबूत बनाने के लिए तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी दी है। यूनियन मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, 'कैबिनेट ने 5,236 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से गोंदिया-जबलपुर रेल लाइन को डबल करने को मंजूरी दी। इसके साथ पुनारख और किउल के बीच 2,668 करोड़ रुपये के इन्वेस्टमेंट वाली तीसरी और चौथी रेल लाइन प्रोजेक्ट को भी मंजूरी मिली।इसके अलावा गम्हरिया-चांडिल खंड पर तीसरी और चौथी लाइन बनाने को भी मंजूरी मिली है, जिसकी लागत 1,168 करोड़ रुपये है। इन प्रोजेक्ट्स से माल और यात्री आवागमन तेज होगा तथा पूर्वी और मध्य भारत के औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी।

एविएशन और मेट्रो में निवेश

श्रीनगर में नए इंटीग्रेटेड एयरपोर्ट टर्मिनल का निर्माण 1,667 करोड़ रुपये की लागत से होगा। वहीं अहमदाबाद मेट्रो प्रोजेक्ट के विस्तार के लिए 1,067 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं।कैबिनेट ने कच्चे जूट के न्यूनतम समर्थन मूल्य को मंजूरी दी, जिससे 430 करोड़ रुपये का वित्तीय प्रभाव पड़ेगा। यह फैसला जूट किसानों की आय बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगा।

सेवा तीर्थ में पहली कैबिनेट की बैठक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में यह बैठक नए प्रधानमंत्री कार्यालय 'सेवा तीर्थ' में हुई। अश्विनी वैष्णव ने कहा, 'यह मीटिंग और यह बिल्डिंग नए भारत के पुनर्निर्माण का सीधा उदाहरण है। इस शुभ शुरूआत के साथ, हम उस भविष्य का स्वागत करते हैं जिसकी नींव सदियों की मेहनत से रखी गई है।' उन्होंने कहा, 'इस मौके पर हम इस जगह के इतिहास को भी याद करते हैं। ब्रिटिश काल के टेम्परारी बैरक की जगह पर 'सेवा तीर्थ' बनाया गया है। उस जगह पर नेशनल गवर्नेंस की एक एक्टिव संस्था की स्थापना भी न्यू इंडिया के बदलाव का प्रतीक है।

अब 'केरलम' के नाम से जाना जाएगा केरल

एजेंसी। नई दिल्ली

नई पीएमओ बिल्डिंग सेवा तीर्थ में मंगलवार को हुई पहली केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। इसी क्रम में मोदी कैबिनेट ने केरल सरकार के राज्य का नाम बदलकर केरलम करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह कदम अप्रैल-मई में होने वाले केरल विधानसभा चुनावों से पहले उठाया गया है। केरल विधानसभा ने 24 जून, 2024 को एकमत से एक प्रस्ताव पास किया था, जिसमें केंद्र से राज्य का नाम आधिकारिक तौर पर बदलकर केरलम करने की अपील की गई थी। विधानसभा के प्रस्ताव के बाद मंगलवार को हुई यूनियन कैबिनेट की मीटिंग में राज्य का नाम केरल से बदलकर केरलम करने को मंजूरी दे दी गई है। केरल विधानसभा ने दूसरी बार प्रस्ताव पास किया था क्योंकि गृह मंत्रालय ने कुछ टेक्निकल बदलावों का सुझाव दिया था। इस प्रस्ताव को पेश करने वाले मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन चाहते थे कि केंद्र सरकार संविधान के आठवें शेड्यूल में शामिल सभी भाषाओं में दक्षिणी राज्य का नाम केरल से बदलकर केरलम कर दे। प्रस्ताव पेश करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा था कि राज्य को मलयालम में 'केरलम' कहा जाता है और मलयालम बोलने वाले समुदायों के लिए एक संयुक्त केरल बनाने की मांग राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम के समय से ही जोरदार तरीके से उठी है।

झंडापुर थाना क्षेत्र में दयालपुर और बगड़ी ओवरब्रिज के बीच एक बस ने जुगाड़ गाड़ी को मारी टक्कर

भागलपुर में 4 गाड़ियां आपस में टकराई, 6 की मौत, 15 लोग जख्मी

- मृतक समेली कटिहार और खगड़िया के निवासी थे, जख्मियों को इलाज के लिए भेजा गया अस्पताल

एजेंसी। भागलपुर

भागलपुर जिले में मंगलवार शाम दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। चार गाड़ियों की टक्कर में 6 की मौत हो गई। चार लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं दो लोगों की मौत अस्पताल जाने के क्रम में हुई। हादसे में घायल 15 लोगों को इलाज के लिए बिहपुर सीएचसी पहुंचाया गया। जहां से 12 लोगों की स्थिति गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए भागलपुर रेफर किया गया।मृतकों में समेली (कटिहार) निवासी 32 वर्षीय अरविंद मंडल और मारर (खगड़िया) निवासी 11 वर्षीय कुणाल कुमार की पहचान की गई है। बाकी की पहचान की जा रही है। वहीं घायलों में कटिहार जिला के चमोली निवासी विजय कुमार, मनोज कुमार, मिट्ठू मंडल, सत्येंद्र मंडल, चंदन, कटिहार जिला के समेली निवासी राजू कुमार, भागलपुर के गोपालपुर थाना के सैदपुर निवासी रिषभ कुमार, शंभु राम की पत्नी सीमा देवी, अमन निषाद, कल्पना देवी शामिल हैं।

तेज रफ्तार ट्रक बना काल

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, तेज रफ्तार ट्रक ने पहले एक पिकअप वाहन को टक्कर मारी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पिकअप अनियंत्रित हो गया। इसके बाद वह सामने से आ रही ई-रिक्शा से जा भिड़ा। ई-रिक्शा में सवार चारों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। किसी को संभलने का मौका नहीं मिला। हादसे की चपेट में एक बस भी आ गई। बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। हालांकि बस में सवार यात्रियों को गंभीर चोट की सूचना नहीं है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर के बाद सड़क पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोग मदद के लिए दौड़े।

बगड़ी पुल के पास हुआ हादसा

यह हादसा खरिक थाना क्षेत्र के बगड़ी पुल के पास हुआ। थानाध्यक्ष नरेश कुमार ने बताया कि झंडापुर इलाके में दुर्घटना हुई है। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, हादसा एनएच-31 पर झंडापुर थाना क्षेत्र में हुआ। यहां दयालपुर और बगड़ी ओवर ब्रिज के बीज एक दर्जन के करीब मजदूर जुगाड़ गाड़ी से जा रहे थे।बताया गया है कि इन मजदूरों की जुगाड़ गाड़ी को पहले एक बस ने टक्कर मारी थी। इस टक्कर की वजह से मजदूरों की गाड़ी पलट गई और वे सभी सड़क पर गिर गए। इसी दौरान पीछे से आ रहे ट्रक ने इन मजदूरों को रौंद दिया। इसकी वजह से 6 लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। दुर्घटना होने की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की। इसके साथ ही ट्रैफिक जाम होने से भी रोकने के प्रयास किए। बताया जा रहा है कि मृतकों में से तीन मजदूर समेली कटिहार के रहने वाले थे, जबकि एक बच्चा खगड़िया जिले के मानसी का था। इस संबंध में और अधिक जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने छह लोगों की मौत की पुष्टि की है। दुर्घटना की वजह तेज रफ्तार मानी जा रही है. ट्रक चालक की तलाश की जा रही है।

युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी लोकतंत्र पर हमला : राहुल गांधी

एजेंसी। नई दिल्ली

राहुल गांधी ने कहा है कि इंडियन यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब की गिरफ्तारी सरकार की तानाशाही प्रवृत्ति और कायरता का सबूत है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक्स हैंडल पर लिखा कि शांतिपूर्ण विरोध हमारी ऐतिहासिक धरोहर है। यह हमारे खून में है और हर भारतीय का लोकतांत्रिक अधिकार है। उन्होंने कहा, 'मुझे युवा कांग्रेस के अपने बब्बर शेर साथियों पर गर्व है, जिन्होंने निडर होकर देश के हित में आवाज उठाई है। अमेरिका के साथ हुए ट्रेड डील में देश के हितों से समझौता किया गया है। यह समझौता हमारे किसानों और टेक्सटाइल उद्योग को नुकसान

पहुंचाएगा तथा हमारे डेटा को अमेरिका के हाथों में सौंप देगा।' यह मामला राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान इंडियन यूथ कांग्रेस के कार्यकताओं के 'शर्टलेस प्रोटेस्ट' से जुड़ा है। दिल्ली पुलिस ने इंडियन यूथ कांग्रेस (युवा कांग्रेस) के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी समेत कई अन्य नेताओं ने भी यूथ कांग्रेस कार्यकताओं की गिरफ्तारी का विरोध किया है। राहुल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि अमेरिका के साथ डील के दौरान भारत के हितों से समझौता किया गया है। इस सच्चाई को देश के सामने रखने के लिए युवा कांग्रेस अध्यक्ष उदय भानु चिब और इंडियन यूथ कांग्रेस के अन्य साथियों की गिरफ्तारी तानाशाही प्रवृत्ति और कायरता का प्रमाण है। कांग्रेस पार्टी और मैं अपने बब्बर शेर साथियों के साथ मजबूती से खड़े हैं। सत्ता को सच का आईना दिखाना अपराध नहीं, देशभक्ति है।

झारखंड विमान हादसे के बाद अब अंडमान के समुद्र में हेलीकॉप्टर क्रैश, सात लोग थे सवार

एजेंसी। मुंबई

झारखंड में एक एयर एम्बुलेंस दुर्घटना में सात लोगों की मौत के ठीक 12 घंटे बाद, मंगलवार को एक और विमानन दुर्घटना की खबर आई, इस बार अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में एक हेलीकॉप्टर शामिल था। राहत की बात यह है कि मायाबंदर के पास समुद्र में विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद उसमें सवार सभी सात लोग बिना किसी जानमाल के नुकसान के बच गए। यह घटना 28 जनवरी को बारामती में वीएसआर वेंचर्स के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के कुछ हफ्तों बाद हुई है, जिसमें महाराष्ट्र के तत्कालीन उपमुख्यमंत्री अजीत पवार और चार अन्य लोगों की मौत हो गई थी, जिससे विमानन सुरक्षा को लेकर नई चिंताएं पैदा हो गई हैं। सूत्रों के अनुसार, पवन हंस का एक हेलीकॉप्टर पोर्ट ब्लेयर से लगभग 170 किलोमीटर दूर रंगत से उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह विमान, यूरोकॉप्टर डॉफिन जिसका पंजीकरण नंबर वीटी-पीएच और कॉल साइन पीएच2 था, द्वीपों में निर्धारित उड़ान भर रहा था। पवन हंस के एक सूत्र ने बताया कि हेलीकॉप्टर रंगत से मायाबंदर के लिए रवाना हुआ और 2,500 फीट की ऊंचाई पर उड़ रहा था। इसमें दो पायलट और पांच यात्री सहित सात लोग सवार थे। सूत्रों के अनुसार, विमान के मुख्य पायलट कैप्टन अनिल जानू थे और सह-पायलट कैप्टन टीपीएस गुलिया थे।

सेवा का पहिया: जब युवा बने सहारा, मुस्कान लौटी कलीम के चेहरे पर

■ **ऑफिसों के चक्कर से थके दिव्यांग को मिली मोटराइज्ड ट्राई साइकिल, अजय राय की पहल बनी मिसाल**

केटी न्यूज/डुमराँव

सरकारी योजनाएँ भले ही दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए संचालित हों, लेकिन जमीनी स्तर पर लाभ पाने के लिए उन्हें कई बार दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। कागजी प्रक्रिया और लंबी प्रतीक्षा के बीच कई जरूरतमंद निराश हो जाते हैं। ऐसे ही हालात से गुजर रहे थे ठठेरी मोहल्ला निवासी दिव्यांग कलीम खान, जिनकी उम्मीदें लगातार प्रयासों के बाद भी पूरी नहीं हो पा रही थीं।

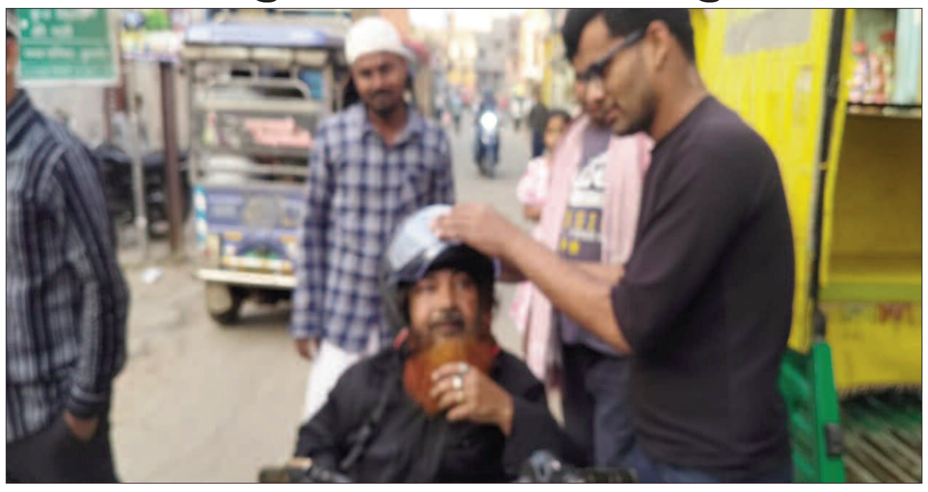

कलीम खान मोटराइज्ड ट्राई साइकिल के लिए कई बार कार्यालयों का चक्कर काट चुके थे। हर बार नई प्रक्रिया और औपचारिकताओं ने उनकी राह मुश्किल कर दी। शारीरिक असुविधा के बावजूद वे हिम्मत नहीं हार रहे थे, लेकिन थकान और निराशा साफ झलकने लगी थी।

इसी बीच सामाजिक सरोकार से जुड़े युवा अजय राय को कलीम की परेशानी की जानकारी मिली। उन्होंने इसे केवल एक सूचना की तरह नहीं लिया, बल्कि तुरंत पहल करने का निर्णय किया। आवश्यक प्रक्रिया पूरी कराते हुए उन्होंने कलीम खान को मोटराइज्ड ट्राई साइकिल उपलब्ध कराई। जैसे ही ट्राई साइकिल कलीम को सौंपी गई, उनके चेहरे पर संतोष और खुशी की चमक साफ दिखाई दी।

मोटराइज्ड ट्राई साइकिल मिलने से अब कलीम खान को दैनिक कार्यों के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। बाजार, बैंक या अन्य जरूरी स्थानों तक पहुंचना अब उनके लिए आसान हो गया है। यह सहायता उनके लिए केवल एक उपकरण नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता की नई शुरूआत है।

इस अवसर पर अजय राय ने कहा कि दिव्यांगजनों की सहायता करना वे अपना सौभाग्य मानते हैं। उनका मानना है कि समाज के सक्षम लोगों को जरूरतमंदों के साथ खड़ा होना चाहिए। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी वे कई दिव्यांगजनों को आवश्यक सहायक उपकरण उपलब्ध करा चुके हैं और आगे भी यह प्रयास जारी रहेगा।

स्थानीय लोगों ने अजय राय की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं। जरूरतमंदों के प्रति संवेदनशीलता और त्वरित सहयोग ही वास्तविक सामाजिक सेवा की पहचान है।

यह पहल एक बार फिर साबित करती है कि यदि इच्छाशक्ति मजबूत हो तो किसी की जिंदगी में बदलाव लाना मुश्किल नहीं। एक छोटे से प्रयास ने जहां कलीम खान को नई रफ्तार दी, वहीं समाज को सेवा और सहयोग का प्रेरक संदेश भी दिया।

चौसा में टारगेटेड ट्रैकिंग का शिकार बना ग्राहक कार का शीशा काट तीन लाख ले भागे चोर

■ **अखौरीपुर गोला के पास दिनदहाड़े दिया घटना को अंजाम, बैंक से बाजार तक पीछा करने की आशंका, सीसीटीवी और तकनीकी साक्ष्यों के सहारे जांच तेज**

केटी न्यूज/चौसा

मुफस्सिल थाना क्षेत्र के अखौरीपुर गोला के पास दिनदहाड़े शातिर चोरों ने एक कार का शीशा काट तीन लाख रुपये की चोरी कर ली है। इसकी जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस इसे महज एक साधारण चोरी नहीं, बल्कि सुनियोजित ह्यटारगेटेड ट्रैकिंगह्ण का मामला मानकर जांच कर रही है। घटना ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या बैंक से निकासी करने वाले ग्राहकों की गतिविधियों पर पहले से नजर रखी जा रही है।

जानकारी के अनुसार मंगलवार की दोपहर राजपुर थाना क्षेत्र के सोनपा गांव निवासी सुनील कुमार राय अपने चचेरे भाई, पैक्स अध्यक्ष राजेश राय के साथ चौसा स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की स्थानीय शाखा से तीन लाख रुपये की निकासी कर निजी चारपहिया वाहन से गांव लौट रहे थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बैंक से निकलने के बाद उनकी गतिविधियों पर नजर रखी गई और अवसर मिलते ही अपराधियों ने वारदात को अंजाम दे दिया।

बताया जा रहा है कि अखौरीपुर गोला पर एक मिठाई दुकान के सामने वाहन खड़ा कर दोनों कुछ मिनटों के लिए नाश्ता करने चले गए। इसी दौरान अपराधियों ने कार के पिछले शीशे को काटकर सीट पर रखा रुपयों से भरा बैग उड़ा लिया। पूरी घटना महज पांच मिनट के भीतर अंजाम दी गई। बैग में तीन लाख रुपये नकद के अलावा पैक्स से जुड़े कुछ जरूरी कागजात भी रखे थे।

घटना के बाद जब दोनों वापस लौटे तो कार की स्थिति देख उनके होश उड़ गए। शीशा कटा हुआ था और बैग गायब। तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। बैंक परिसर से लेकर अखौरीपुर गोला तक लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि संदिग्ध व्यक्ति या वाहन किस दिशा से आए और किस ओर फरार हुए।

अपर थानाध्यक्ष चन्दन कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला पूर्व से पीछा कर वारदात को अंजाम देने का प्रतीत होता है। पुलिस तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज और संभावित मोबाइल लोकेशन के आधार पर संदिग्धों की पहचान में जुटी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी।

इस घटना ने स्थानीय व्यापारियों और आम लोगों में दहशत पैदा कर दी है। खासकर यह तथ्य कि बैंक से निकासी के तुरंत बाद ग्राहक को निशाना बनाया गया, सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। दो से तीन किलोमीटर के दायरे में गश्ती वाहन सक्रिय रहने के बावजूद अपराधियों का इतनी आसानी से फरार हो जाना लोगों को असहज कर रहा है।

व्यवसायियों का कहना है कि बाजार क्षेत्र में पुलिस की दृश्य उपस्थिति बढ़ाई जानी चाहिए और बैंक शाखाओं के आसपास विशेष निगरानी की व्यवस्था होनी चाहिए। वहीं पुलिस अब इस एंगल से भी जांच कर रही है कि क्या अपराधियों को बैंक से ही निकासी की सूचना मिली थी या वे पहले से रेकी कर रहे थे।

दिनदहाड़े हुई इस वारदात ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अपराधियों की रणनीति अब तेज, सटीक और सुनियोजित हो चुकी है। ऐसे में पुलिस के सामने चुनौती केवल आरोपियों को पकड़ने की नहीं, बल्कि आमजन के बीच सुरक्षा का भरोसा बहाल करने की भी है।

नहर किनारे झाड़ी से विकृत अवस्था में शव बरामद, क्षेत्र में सनसनी

केसठ। वासुदेवा थाना क्षेत्र के बैजनाथपुर पुल के समीप डुमरांव रजवाहा नहर किनारे झाड़ी से मंगलवार की सुबह एक विकृत अवस्था में शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। जानकारी के अनुसार सुबह महादलित समुदाय के कुछ लोग लकड़ी चुनने के लिए नहर किनारे गए थे। इसी दौरान झाड़ी में उन्हें एक शव पड़ा दिखाई दिया। इसकी सूचना उन्होंने ग्रामीणों को दी, जिसके बाद खबर तेजी से पूरे क्षेत्र में फैल गई और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई।ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना वासुदेवा थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले दस से पंद्रह दिनों से उस झाड़ी की ओर से दुर्गंध आ रही थी, लेकिन लोगों ने इसे किसी जानवर के मरने की आशंका समझकर ध्यान नहीं दिया।थानाध्यक्ष अनिल कुमार पासवान ने बताया कि शव काफी विकृत अवस्था में था। मृतक जींस और टी-शर्ट पहने हुए था। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और पहचान के लिए 72 घंटे तक सुरक्षित रखा जाएगा। पुलिस मामले की

शताब्दी वर्ष में संघ का सामाजिक समरसता पर जोर, बाबा नगर में जुटे संत व बुद्धिजीवी

केटी न्यूज/बक्सर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर शहर के बाबा नगर बस्ती में आयोजित हिंदू सम्मेलन सामाजिक एकता और सांस्कृतिक जागरूकता का संदेश देता नजर आया। कार्यक्रम में संत, विद्वान और स्थानीय गणमान्य लोगों की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष स्वरूप प्रदान किया।

सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री श्री 1008 जगद्गुरु स्वामी गोविंदाचार्य गुप्तेश्वर जी महाराज एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. रामनाथ ओझा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। अध्यक्षता वृज किशोर तिवारी ने की, जबकि मंच संचालन गिरीश कुमार द्विवेदी ने किया। प्रस्तावना जय शंकर पांडेय ने प्रस्तुत करते हुए आयोजन की रूपरेखा और उद्देश्य पर प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि गुप्तेश्वर जी महाराज ने अपने संबोधन में कहा कि समाज की एकता, समरसता और सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने भारतीय सनातन परंपरा को ह्लवसुधैव कुटुंबकम्ह्व की भावना का आधार बताते हुए कहा कि भारत ने सदैव विश्व को परिवार मानने का संदेश दिया है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे राष्ट्र सेवा, चरित्र निर्माण और सामाजिक सद्भाव को जीवन का लक्ष्य बनाएं। उनका कहना था कि जब समाज संगठित और जागरूक होता है, तभी राष्ट्र सशक्त बनता है।

विशिष्ट अतिथि डॉ. रामनाथ ओझा ने कहा कि संघ का शताब्दी वर्ष केवल एक संगठन का उत्सव नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के संकल्प को पुनः दृढ़ करने का अवसर है। उन्होंने सामाजिक सहभागिता और नैतिक मूल्यों के संरक्षण पर बल दिया।

कार्यक्रम के दौरान समरसता का विशेष संदेश देते हुए आयोजन समिति ने सफाई कर्मियों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। साथ ही सभी अतिथियों को भी अंगवस्त्र देकर अभिनंदन किया गया। सम्मेलन के बीच हवन-पूजन का आयोजन किया गया, जिससे वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत हो उठा।

समापन अवसर पर राजेंद्र प्रसाद ने आभार ज्ञापन करते हुए सभी अतिथियों और उपस्थित लोगों का धन्यवाद किया। कार्यक्रम में जिला प्रचारक अभिषेक भारती, शंभु नाथ पांडेय, उमाशंकर पांडेय, संतोष उपाध्याय, संजीत कुमार, अजीत कुमार, अजीत पांडेय, रामदेव ओझा, अवधेश पांडेय, अवध बिहारी ओझा, विकेश कुमार, भोला सिंह, अभय पांडेय, देवेश कुमार और अभिनव कुमार समेत अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

डुमरांव की सड़कों पर गूंजा नशा मुक्ति का संदेश...

केटी न्यूज/डुमरांव

बिहार पुलिस सप्ताह के तहत डुमरांव शहर ने एक सकारात्मक और प्रेरक सुबह का अनुभव किया, जब थाना पुलिस ने नशा मुक्ति के समर्थन में जागरूकता प्रभात फेरी निकालकर पूरे नगर को संदेश दिया कि सुरक्षित समाज की शुरूआत नशे से दूरी बनाकर ही संभव है। इस अभियान का नेतृत्व थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने किया, जिनके साथ पुलिसकर्मी, छात्र-छात्राएं, सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए। प्रभात फेरी की शुरूआत थाना परिसर से हुई। वहां से यह रैली शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरती हुई गोला रोड, छठिया पोखरा और शक्ति द्वार होते हुए नए थाना भवन तक पहुंची। सुबह के शांत वातावरण में जब ह्लनशा छोड़ो, जीवन जोड़ोह्व और ह्लस्वस्थ युवा, सुरक्षित भविष्यह्व जैसे नारे गूंजे तो राहगीरों और दुकानदारों का ध्यान स्वतः ही इस ओर आकर्षित हुआ। कई लोगों ने रुककर अभियान का समर्थन किया और पुलिस के इस प्रयास की सराहना की। रैली के दौरान पुलिस अधिकारियों ने आम लोगों से सीधा संवाद स्थापित किया। उन्होंने नशे के दुष्परिणामों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि यह केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि उसके परिवार और पूरे समाज को प्रभावित करता है। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने कहा कि नशा कई सामाजिक और आपराधिक समस्याओं की जड़ है। युवाओं का नशे की ओर झुकाव उन्हें गलत रास्ते पर ले जा सकता है, जिससे उनका भविष्य खतरे में पड़ जाता है। इसलिए समय रहते जागरूकता और सामूहिक प्रयास बेहद जरूरी हैं। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से अपील की कि वे अपनी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा दें। खेल, शिक्षा, सांस्कृतिक गतिविधियों और सामाजिक कार्यों से जुड़कर वे न केवल अपना भविष्य संवार सकते हैं, बल्कि समाज के लिए भी प्रेरणा बन सकते हैं। उनका कहना था कि पुलिस की भूमिका केवल कानून-व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज को सुरक्षित और स्वस्थ दिशा देना भी उसकी जिम्मेदारी है। अभियान में शामिल सामाजिक कार्यकताओं और शिक्षकों ने भी इस पहल को सराहा। उनका मानना था कि जब पुलिस और समाज एक साथ खड़े होते हैं, तो किसी भी सामाजिक बुराई के खिलाफ प्रभावी लड़ाई लड़ी जा सकती है। छात्र-छात्राओं ने भी संकल्प लिया कि वे स्वयं नशे से दूर रहेंगे और दूसरों को भी इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करेंगे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहेगा। आगे भी समय-समय पर प्रभात फेरियां, जागरूकता कार्यक्रम और जनसंवाद आयोजित किए जाएंगे। उद्देश्य स्पष्ट हैकृडुमरांव को नशा मुक्त, सुरक्षित और जागरूक समाज के रूप में स्थापित करना।

एक नजर

भूमि विवाद से ट्रैफिक जाम तक, डीएम ने कसे प्रशासनिक पेंच

बक्सर। समाहरणालय सभाकक्ष में जिलाधिकारी साहिला की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में प्रशासनिक कार्यों की गहन पड़ताल की गई। बैठक में जिला सड़क सुरक्षा समिति, परिवहन विभाग, नीलाम पत्र वाद, मद्य निषेध, खनन, विधि-व्यवस्था, भू-विवाद, लोक शिकायत निवारण अधिकार एवं लोक सेवा केंद्र की प्रगति की समीक्षा की गई। महत्वपूर्ण बैठक से अनधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने पर नावानगर के अंचलाधिकारी से स्पष्टीकरण तलब किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि भू-समाधान पोर्टल के माध्यम से भूमि विवादों का त्वरित निष्पादन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी अंचलाधिकारियों एवं थानाध्यक्षों को निर्देश दिया गया कि साप्ताहिक बैठक कर प्राप्त परिवादों की शत-प्रतिशत प्रविष्टि पोर्टल पर सुनिश्चित करें तथा संवेदनशील मामलों में व्यक्तिगत रुचि लेकर निष्पादन करें। नीलाम पत्र वादों की समीक्षा में प्रत्येक थाना स्तर पर बड़े बकायेदारों के विरुद्ध अभियान चलाकर बॉडी वारंट के अनुपालन का निर्देश दिया गया। अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बक्सर व डुमरांव को पाक्षिक बैठक कर अनुश्रवण सुनिश्चित करने को कहा गया।

सड़क सुरक्षा को लेकर नगर परिषद बक्सर व डुमरांव क्षेत्र के जाम प्रभावित स्थलों पर क्विक रिस्पांस टीम गठित करने का निर्देश दिया गया। नो व्हीकल जोन से अतिक्रमण हटाने, फुटपाथी दुकानदारों को वेंडिंग जोन में व्यवस्थित करने तथा विद्यालय वाहनों के लिए निर्धारित रूट का पालन सुनिश्चित करने को कहा गया। विद्यालयों के आसपास सीसीटीवी लगाने के निर्देश भी दिए गए। एनएचएआई को राष्ट्रीय राजमार्गों पर गति सीमा बोर्ड एवं ब्लैक स्पॉट चिह्नित करने को कहा गया। सड़क किनारे निर्माण सामग्री रखने से उत्पन्न जाम पर सख्ती दिखाते हुए जिला खनन पदाधिकारी को ऐसी सामग्री हटवाने का निर्देश दिया गया।

लालगंज कड़वी से शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार

डुमरांव। डुमरांव थाना क्षेत्र के लालगंज कड़वी गांव में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने उसके पास से 8.43 लीटर विदेशी शराब बरामद की। गिरफ्तार आरोपी की पहचान विकास राय, पिता स्व. शिव प्रसाद राय, निवासी लालगंज कड़वी के रूप में की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि गांव में चोरी-छिपे शराब की खरीद-बिक्री की जा रही है। सूचना की पुष्टि के बाद थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संदिग्ध ठिकाने पर छापेमारी की। पुलिस की मौजूदगी देखते ही वहां अफरा-तफरी मच गई, लेकिन जवानों ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को मौके से ही दबोच लिया। बरामद शराब को जब्त कर लिया गया है और आरोपी के विरुद्ध बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस फिलहाल आरोपी से पूछताछ कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि शराब कहां से लाई जा रही थी और इस अवैध धंधे में किन-किन लोगों की संलिप्तता है। थानाध्यक्ष ने बताया कि क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी सूरत में कानून तोड़ने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। साथ ही आम नागरिकों से अपील की गई है कि यदि कहीं भी शराब की अवैध बिक्री या भंडारण की सूचना मिले तो तत्काल पुलिस को अवगत कराएं, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

8 माह से वेतन नहीं, होली से पहले भुगतान की मांग पर अड़े स्वच्छता कर्मी

केसठ। प्रखंड के स्थानीय पंचायतों सहित अन्य पंचायतों में कार्यरत स्वच्छता कर्मियों को पिछले आठ माह से वेतन नहीं मिला है। होली पर्व नजदीक आने के बीच कर्मियों ने बकाया वेतन के तत्काल भुगतान की मांग उठाई है। वेतन नहीं मिलने से जहां उनके परिवार पर आर्थिक संकट गहरा गया है, वहीं स्वच्छता कार्य भी प्रभावित होने लगा है।स्वच्छता कर्मियों का कहना है कि वे नियमित रूप से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं, बावजूद इसके उन्हें मेहनताना नहीं मिल रहा। स्वच्छता प्रवेक्षक संजय बारी, कर्मी अशोक मेसतर, मुस्लिम दर्जी समेत अन्य ने बताया कि आठ माह से वेतन लंबित रहने के कारण बच्चों की पढ़ाई-लिखाई तक प्रभावित हो रही है। होली जैसे बड़े त्योहार से पहले घर-परिवार की जरूरतें पूरी करना मुश्किल हो गया है। बच्चों के कपड़े और त्योहार की खरीदारी को लेकर चिंता बढ़ गई है। ज्ञात हो कि यह कार्य भारत सरकार की महत्वाकांक्षी स्वच्छ भारत मिशन लोहिया स्वच्छ अभियान के तहत ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन योजना से जुड़ा है। प्रखंड समन्वयक त्रिभुवन सिंह ने बताया कि पूर्व में 15वीं वित्त से भुगतान का निर्देश था, लेकिन बाद में उस पर रोक लग गई। नई गाइडलाइन व आवंटन नहीं मिलने से वेतन भुगतान बाधित है।

फर्जी बीएड पर 10 साल की नौकरी : संस्कृत शिक्षक पर निगरानी का शिकंजा

- **पटना हाई कोर्ट के निर्देश पर प्रमाणपत्र जांच में बड़ा खुलासा, निगरानी विभाग की शिकायत पर नामजद एफआईआर दर्ज, अज्ञात सहयोगियों की भूमिका भी जांच के घेरे में**

केटी न्यूज/कृष्णाब्रह्म

जिले में फर्जी प्रमाणपत्र के सहारे सरकारी नौकरी पाने का एक और मामला उजागर हुआ है। उत्क्रमित उच्च विद्यालय नुआंव में कार्यरत एक संस्कृत शिक्षक पर फर्जी बीएड डिग्री के आधार पर नौकरी करने का आरोप लगा है। मामले का खुलासा होने के बाद पटना स्थित निगरानी विभाग के अधिकारी की शिकायत पर स्थानीय थाना में नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरोप है कि भोजपुर जिला के शाहपुर थाना क्षेत्र के हरिहरपुर गांव निवासी दया शंकर दूबे का वर्ष 2015 में जिला परिषद शिक्षक के रूप में नियोजन हुआ था। नियुक्ति के समय उन्होंने बुंदेलखंड विश्वविद्यालय से प्राप्त बीएड डिग्री प्रस्तुत की थी। दस्तावेजों के आधार पर उन्हें उत्क्रमित उच्च विद्यालय नुआंव में संस्कृत शिक्षक के पद पर पदस्थापित किया गया और वे पिछले करीब एक दशक से कार्यरत थे। इसी बीच, पटना हाई कोर्ट के निर्देश पर नियोजित शिक्षकों के प्रमाणपत्रों की व्यापक जांच शुरू की गई। जांच के क्रम में संबंधित शिक्षक के बीएड अंकपत्र का सत्यापन कराया गया। जब विश्वविद्यालय से प्रमाणपत्र की पुष्टि कराई गई तो दस्तावेज फर्जी पाया गया। इस खुलासे के बाद निगरानी विभाग ने इसे गंभीर अनियमितता मानते हुए प्राथमिकी दर्ज कराने की कार्रवाई की। अन्वेषण ब्यूरो, पटना के पुलिस निरीक्षक देवी लाल श्रीवास्तव के लिखित बयान पर कृष्णाब्रह्म थाना में नामजद केस दर्ज किया गया है। प्राथमिकी में स्पष्ट कहा गया है कि फर्जी डिग्री के सहारे सरकारी सेवा में प्रवेश कर न सिर्फ नियमों की अनदेखी की गई, बल्कि सरकारी व्यवस्था को भी ठगा गया। साथ ही इस प्रकरण में अन्य अज्ञात व्यक्तियों की संलिप्तता की आशंका जताते हुए उनकी भूमिका की भी जांच की मांग की गई है। कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष रवि कुमार ने पुष्टि की कि मामला दर्ज कर पुलिस ने गहन जांच शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान जो भी व्यक्ति दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि राज्यभर में प्रमाणपत्र सत्यापन अभियान के दौरान बक्सर जिले में अब तक दर्जनों शिक्षकों पर कार्रवाई की तलवार लटक चुकी है। निगरानी विभाग की इस सख्ती से शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता लाने की कोशिश मानी जा रही है। इस ताजा मामले ने एक बार फिर सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर फर्जी प्रमाणपत्रों के सहारे वर्षों तक नौकरी कैसे चलती रही। क्या नियोजन प्रक्रिया में पर्याप्त जांच नहीं हुई, या फिर सिस्टम में कहीं न कहीं मिलीभगत थी। फिलहाल पुलिस और निगरानी विभाग की संयुक्त कार्रवाई से साफ संकेत है कि फजीर्वाड़े पर अब शिकंजा कसता जा रहा है, और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

डीएम साहिला की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा, नीलाम पत्र वाद, मद्य निषेध व लोक सेवा केंद्र की समीक्षा बैठक

भू-समाधान पोर्टल पर शत-प्रतिशत प्रविष्टि का निर्देश

यातायात जाम से निपटने को बनेगी क्विक रिस्पांस टीम

केटी न्यूज/बक्सर

समाहरणालय सभाकक्ष में जिलाधिकारी साहिला की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला सड़क सुरक्षा समिति, परिवहन विभाग, नीलाम पत्र वाद, मद्य निषेध, खनन, विधि-व्यवस्था, भू-विवाद, लोक शिकायत निवारण अधिकार एवं लोक सेवा केंद्र की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की प्रगति की गहन समीक्षा करते हुए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। महत्वपूर्ण बैठक में अनधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने पर अंचल अधिकारी नावानगर से स्पष्टीकरण करने का निर्देश दिया गया।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि भू-समाधान पोर्टल के माध्यम से भूमि विवादों का निष्पादन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। समीक्षा के क्रम में सभी अंचलाधिकारियों एवं थानाध्यक्षों को अंचल स्तर पर भूमि विवाद से संबंधित साप्ताहिक बैठक आयोजित करने तथा प्राप्त सभी परिवाद पत्रों की शत-प्रतिशत प्रविष्टि भू-समाधान पोर्टल पर सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही संवेदनशील मामलों में स्वयं रुचि लेकर त्वरित निष्पादन करने को कहा गया।

नीलाम पत्र वाद की समीक्षा में प्रत्येक थाना क्षेत्र के बड़े बकायेदारों के विरुद्ध अभियान चलाकर बॉडी वारंट के अनुपालन का निर्देश दिया गया। अनुमंडल पदाधिकारी तथा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बक्सर एवं डुमरांव को पाक्षिक बैठक कर नीलाम पत्र वादों की नियमित अनुश्रवण करने को कहा गया। साथ ही 15 दिनों के अंतराल पर बड़े बकायेदारों से वसूली के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया गया।

सड़क सुरक्षा की समीक्षा के दौरान नगर परिषद बक्सर एवं डुमरांव क्षेत्र में नियमित रूप से लगने वाले यातायात जाम पर चिंता जताई गई। अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एवं कार्यपालक पदाधिकारियों को चिन्हित स्थलों पर क्विक रिस्पांस टीम गठित कर प्रतिनियुक्ति करने का निर्देश दिया गया। टीमों को माइकिंग कर नो-व्हीकल जोन में खड़े वाहनों को हटाने तथा फुटपाथी दुकानदारों को निर्धारित वेंडिंग जोन में दुकान लगाने के लिए प्रेरित करने को कहा गया।

विद्यालय वाहनों की बैठक आयोजित कर निर्धारित रूट एवं चिन्हित स्थलों पर ही बस रोकने का निर्देश दिया गया। नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारियों को विद्यालयों के आसपास सीसीटीवी कैमरे लगाने तथा उन्हें 247 क्रियाशील रखने के निर्देश दिए गए। खराब पड़े कैमरों की अविलंब मरम्मत सुनिश्चित करने को भी कहा गया।

एनएचएआई को राष्ट्रीय राजमार्ग पर गति सीमा बोर्ड लगाने, चिन्हित ब्लैक स्पॉट तथा गोलंबर के समीप वाहनों की गति सीमा निर्धारित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। सड़क किनारे भवन निर्माण सामग्री जैसे बालू, गिट्टी आदि के कारण उत्पन्न जाम की समस्या पर जिला खनन पदाधिकारी को सार्वजनिक स्थलों पर भंडारित सामग्री को तत्काल हटवाने का निर्देश दिया गया। पथ निर्माण विभाग द्वारा रखी गई सामग्रियों को भी शीघ्र हटाने को कहा गया।

मद्य निषेध की समीक्षा में जप्त शराब एवं शराब ढुलाई में प्रयुक्त जप्त वाहनों का होली पूर्व नियमानुसार विनष्टीकरण एवं नीलामी की कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

विधि-व्यवस्था के अंतर्गत रामरेखा घाट पर अस्थायी नियंत्रण कक्ष स्थापित करने हेतु नगर परिषद बक्सर को निर्देशित किया गया। आगामी पर्व को देखते हुए सभी संबंधित पदाधिकारियों को सीसीटीवी कैमरों की सतत निगरानी एवं मरम्मत सुनिश्चित करने को कहा गया। शहर को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए सघन अभियान चलाने का निर्देश भी दिया गया।

वाहन पार्किंग व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए किला मैदान के पीछे निर्मित पार्किंग स्थल को अविलंब चालू करने का निर्देश दिया गया। साथ ही आगामी पर्व के मद्देनजर यातायात प्रबंधन के लिए चिन्हित मार्गों पर रूट चार्ट तैयार करने को कहा गया।

लोक सेवा केंद्र की समीक्षा में सभी अंचलाधिकारियों को नियमित अनुश्रवण कर अधिकतम आवेदनों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। ऑफलाइन प्राप्त आवेदनों का भी निर्धारित समय-सीमा में निष्पादन करने तथा आईटी प्रबंधक को सतत मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए गए। बैठक में विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर

विविगिरी हॉल्ट के पास अज्ञात वृद्ध का शव मिलने से सनसनी, पहचान में जुटी पुलिस

डुमरांव। डीडीयू दानापुर रेलखंड पर मंगलवार को उस समय सनसनी फैल गई जब विविगिरी हॉल्ट के पास एक लगभग 60 वर्षीय अज्ञात वृद्ध का शव बरामद हुआ। यह घटना डुमरांव और टुड़ीगंज रेलवे स्टेशन के बीच की बताई जा रही है। सुबह स्थानीय लोगों ने रेलवे ट्रैक के किनारे शव पड़ा देखा, जिसके बाद आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही जीआरपी और स्थानीय थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि वृद्ध ट्रेन की चपेट में आ गया। हालांकि पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है ताकि घटना के संबंध में स्पष्ट जानकारी मिल सके। जीआरपी प्रभारी थानाध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि मृतक की उम्र लगभग 60 वर्ष आंकी गई है, लेकिन अब तक उसकी पहचान नहीं हो पाई है। मृतक के पास से कोई पहचान संबंधी दस्तावेज बरामद नहीं हुआ है। पुलिस आसपास के गांवों और रेलवे स्टेशनों पर सूचना प्रसारित कर पहचान कराने का प्रयास कर रही है। शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि जैसे ही मृतक की पहचान होगी, परिजनों को सूचना दी जाएगी। फिलहाल घटना को लेकर स्थानीय लोगों में तरह-तरह की चचाएं हो रही हैं, जबकि पुलिस मामले की गंभीरता से जांच में जुटी है।

विविगिरी हॉल्ट के पास अज्ञात वृद्ध का शव मिलने से सनसनी, पहचान में जुटी पुलिस

डुमरांव। डीडीयू दानापुर रेलखंड पर मंगलवार को उस समय सनसनी फैल गई जब विविगिरी हॉल्ट के पास एक लगभग 60 वर्षीय अज्ञात वृद्ध का शव बरामद हुआ। यह घटना डुमरांव और टुड़ीगंज रेलवे स्टेशन के बीच की बताई जा रही है। सुबह स्थानीय लोगों ने रेलवे ट्रैक के किनारे शव पड़ा देखा, जिसके बाद आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही जीआरपी और स्थानीय थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि वृद्ध ट्रेन की चपेट में आ गया। हालांकि पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है ताकि घटना के संबंध में स्पष्ट जानकारी मिल सके। जीआरपी प्रभारी थानाध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि मृतक की उम्र लगभग 60 वर्ष आंकी गई है, लेकिन अब तक उसकी पहचान नहीं हो पाई है। मृतक के पास से कोई पहचान संबंधी दस्तावेज बरामद नहीं हुआ है। पुलिस आसपास के गांवों और रेलवे स्टेशनों पर सूचना प्रसारित कर पहचान कराने का प्रयास कर रही है।

दारोगा की डर्टी हरकत: सरस्वती पूजा पंडाल में अश्लील गीत व नर्तकी के साथ वीडियो वायरल

- **बगेन थाना में पदस्थापित है दारोगा मनीष कुमार, वीडियो वायरल होने के बाद विभाग में मचा हड़कंप**

केटी न्यूज/डुमरांव

बगेन थाना क्षेत्र के एक सरस्वती पूजा पंडाल के वायरल वीडियो ने पुलिस महकमे में हड़कंप मचा दिया है। वीडियो में बगेन थाने में पद स्थापित दारोगा मनीष कुमार अपनी गोद में नर्तकी को बैठाए है। इस दौरान भोजपुरी का एक अश्लील गीत बजाया जा रहा है तथा लोग नर्तकी पर नोटों की बारिश कर रहे है। इस दौरान बेशर्म दारोगा वर्दी की आबरू छोड़ मुस्कराते नजर आ रहे है। हालांकि, केशव टाइम्स इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। बावजूद वायरल वीडियो में दारोगा की हरकते महकमे को शर्मसार करने वाली है। बताया जा रहा है कि यह वायरल वीडियो सरस्वती पूजा के दिन का है, जहां थाना के समीप ही एक पंडाल में सरस्वती पूजा का आयोजन हुआ था तथा रात में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम हो रहा था तथा माइक पर रंगदारों के रंगदार हवे राजाजी जैसा अश्लील गीत बज

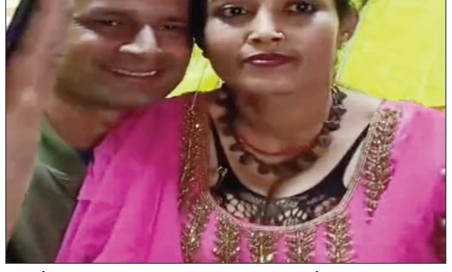

रहा है। वीडियो में साफ देखा जा रहा है कि दारोगा जी पंडाल में ही एक कुर्सी पर बैठे है तथा उनके गोद में एक नर्तकी बैठी है। दारोगा जी कैमरे के सामने उसे अश्लील हरकत करने से भी नहीं हिचक रहे थे। बहरहाल वीडियो वायरल होने के बाद एसपी मनीष कुमार ने इसके जांच के आदेश दे दिए है। एसपी ने बताया कि वायरल वीडियो की जांच करवाई जा रही है। वीडियो सत्य पाए जाने पर उक्त दारोगा के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

ट्रैक्टर दुर्घटना में जान गंवाने वाले नगर परिषद के सफाईकर्मी धर्मेन्द्र का शव आते ही मचा कोहराम

केटी न्यूज/राजपुर

राजपुर थाना क्षेत्र के नागपुर पंचायत अंतर्गत कठजा गांव में मंगलवार की सुबह मातम पसरा था। सड़क हादसे में जान गंवाने वाले धर्मेंद्र राम का शव जैसे ही गांव पहुंचा, चीख-पुकार से पूरा माहौल गूंज उठा। घर के आंगन में रोती-बिलखती पत्नी, बेसुध मां और सहमे हुए मासूम बच्चों को देख हर आंख नम हो गई। धर्मेंद्र राम, योगेंद्र राम के पुत्र और तीन भाइयों में सबसे छोटे, परिवार की आर्थिक रीढ़ थे। करीब दो वर्षों से नगर परिषद क्षेत्र में कचरा ढोने वाला ट्रैक्टर चलाकर वे अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे थे। सीमित आय में भी उनका सपना था कि उनके दोनों बच्चे आठ वर्षीय अनमोल और छह वर्षीय सम्मी

कुमारी, पढ़-लिखकर बेहतर जीवन जिएं। सोमवार को भी वे रोज की तरह काम पर निकले थे। बताया जाता है कि इटाढ़ी थाना क्षेत्र के एक गांव की ओर जाते समय बैरी गांव के समीप अचानक सामने आए एक साइकिल सवार को बचाने की कोशिश में ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया और पलट गया। हादसा इतना भीषण था कि मौके पर ही उनकी मौत हो गई। एक क्षण की दुर्घटना ने पूरे परिवार की दुनिया उजाड़ दी। मंगलवार की सुबह शव गांव पहुंचते ही सैकड़ों ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। पत्नी पन्ना देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। वे बार-बार बेहोश हो जा रही हैं और अपने पति को याद कर फफक पड़ती हैं। मां नवरंगी देवी भी गहरे सदमे में हैं। घर के आंगन में बैठे मासूम बच्चे यह समझ नहीं पा रहे कि आखिर उनके पिता अब क्यों नहीं लौटेंगे। धर्मेंद्र परिवार के इकलौते कमाने वाले सदस्य थे। पहले से ही आर्थिक तंगी झेल रहा परिवार अब पूरी तरह असहाय हो गया है। गांव के लोगों का कहना है कि धर्मेंद्र मेहनती और जिम्मेदार इंसान थे, जिन्होंने अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए हर मुश्किल झेली। उनका जाना केवल एक व्यक्ति की मौत नहीं, बल्कि एक परिवार की उम्मीदों का टूटना है। घटना की सूचना मिलते ही पंचायत के मुखिया शैलेंद्र सिंह, भाजपा नेत्री इंदु देवी सहित कई जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे। उन्होंने शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी और हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया। हालांकि ग्रामीणों का कहना है कि सिर्फ सांत्वना से काम नहीं चलेगा, परिवार को तत्काल आर्थिक मदद और सरकारी मुआवजा मिलना चाहिए। इस हादसे ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा और भारी वाहनों की निगरानी को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या ग्रामीण सड़कों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था है। क्या ट्रैक्टर चालकों को जरूरी सुरक्षा प्रशिक्षण और उपकरण उपलब्ध कराए जाते हैं। कठजा गांव में फिलहाल शोक का सन्नाटा है। एक मेहनतकश युवक की असमय मौत ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है। अब सबकी निगाहें इस पर टिकी हैं कि प्रशासन और जनप्रतिनिधि इस उजड़े परिवार के लिए कितनी जल्दी और कितनी ठोस मदद पहुंचाते हैं।

जाते-जाते रोशनी बन गए ललन राय : विदा से पहले कर गए दो जिंदगियों को उजाला

- **डुमरांव के समाजसेवी ट्रांसपोर्ट व्यवसायी की अंतिम इच्छा का परिजनों ने रखा मान, पटना में हुआ नेत्रदान**

केटी न्यूज/डुमरांव

कहते हैं कुछ लोग जीवन भर अपने कर्मों से पहचाने जाते हैं, तो कुछ लोग मृत्यु के बाद भी अपनी पहचान छोड़ जाते हैं। डुमरांव नगर के चर्चित ट्रांसपोर्ट व्यवसायी और सामाजिक कार्यकर्ता रहे स्वर्गीय ललन राय ने अपने जीवन की आखिरी इच्छा से ऐसी ही अमिट छाप छोड़ दी। उन्होंने न सिर्फ जीते-जी समाज की सेवा की, बल्कि मृत्यु के बाद भी दो जिंदगियों में उजाला भरने का संकल्प निभा गए। करीब 20 दिनों से पटना स्थित जयप्रभा मेदांता अस्पताल में इलाजरत ललन राय ने वेंटिलेटर पर जाने से ठीक पहले अपने परिजनों के सामने नेत्रदान की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने कहा था कि उनकी आंखें किसी ऐसे व्यक्ति के काम आएं, जो स्वस्थ होते हुए भी दृष्टिहीनता के कारण इस खूबसूरत दुनिया को नहीं देख पा रहा है। उस क्षण परिवार के लोग भावुक और स्तब्ध रह गए, लेकिन उन्होंने उनकी अंतिम इच्छा का सम्मान करने का निर्णय लिया। पुत्र ऋषि राय ने बताया कि पिता की बात सुनकर पूरा परिवार कुछ देर के लिए निरुत्तर हो गया था। ऋषि ने कहा कि शायद उन्हें अपने अंत का आभास हो गया था। लेकिन जिस दृढ़ता से उन्होंने नेत्रदान की बात कही, उसने हमें सोचने पर मजबूर कर दिया। हमें लगा कि यही उनकी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। मृत्यु उपरांत उनकी दोनों आंखें अस्पताल प्रबंधन की देखरेख में विधिवत दान की गईं। चिकित्सकों के अनुसार, एक व्यक्ति के नेत्रदान से दो जरूरतमंद लोगों को दृष्टि मिल सकती है। इस प्रकार ललन राय का

यह निर्णय दो परिवारों के लिए नई सुबह लेकर आएगा। गौरतलब है कि सरकार और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा अंगदान को लेकर लगातार जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं, बावजूद इसके धार्मिक मान्यताओं और परंपरागत धारणाओं के कारण आज भी कई लोग इससे हिचकिचाते हैं। ऐसे में एक पारंपरिक परिवार द्वारा आगे बढ़कर नेत्रदान करना समाज के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है। डुमरांव में जैसे ही यह खबर फैली, लोगों ने स्वर्गीय ललन राय के इस निर्णय को मानवता की मिसाल बताया। सामाजिक संगठनों और नगरवासियों ने इसे साहसिक एवं अनुकरणीय कदम बताया है। स्व. ललन राय भले ही इस दुनिया से विदा हो गए हों, लेकिन उनकी दी हुई रोशनी आने वाले समय में किसी की जिंदगी में नई उम्मीद का सूरज बनकर चमकेगी। यही उनकी सच्ची विरासत है, सेवा, संवेदना और सदैव जीवित रहने वाली इंसानियत।

अनोखी हंसी के लिए जाने जाते थे ललन राय

बता दें कि सामाजिक कार्यकर्ता स्व. ललन राय आजीवन अपनी अनोखी व लंबी हंसी के लिए जाने जाते थे। वे जब भी किसी धार्मिक या सामाजिक आयोजन में शिरकत करते लोग उनके इर्द-गिर्द इकट्ठा हो जाते थे। इस दौरान उनकी सारगर्भित बातों के बीच हंसी के ठहाके माहौल को खुशनुमा बना देता था।

भाजपा के जिला प्रवक्ता शक्ति राय, सामाजिक कार्यकर्ता राजीव रंजन सिंह उर्फ रवि सिंह, दीपक यादव आदि ने बताया कि वे जिंदादिल इंसान थे तथा जिस महफिल में जाते थे उसकी शोभा बढ़ा देते थे।

14 मार्च की राष्ट्रीय लोक अदालत : दो हजार मामलों के निपटारे का लक्ष्य, बक्सर में तेज हुई तैयारी

केटी न्यूज/बक्सर

आगामी 14 मार्च को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर बक्सर जिले में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, पटना के निर्देश पर ज़िला विधिक सेवा प्राधिकार, बक्सर द्वारा व्यापक स्तर पर समन्वय बैठकें की जा रही हैं। इस कड़ी में अवर न्यायाधीश-सह-सचिव नेहा दयाल ने जिले के विभिन्न विभागों और बैंकों के शाखा प्रबंधकों के साथ बैठक कर रणनीति तय की।

बैठक में इस बार लगभग दो हजार मामलों के निष्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। खास बात यह है कि इन मामलों का निपटारा आपसी सुलह-समझौते के आधार पर किया जाएगा, जिससे पक्षकारों को लंबी न्यायिक प्रक्रिया से राहत मिल सके। बैंकों में लंबित सर्टिफिकेट केस, बिजली विभाग से जुड़े विवाद तथा अन्य सुलहनिए वादों को प्राथमिकता में रखा गया है।

सचिव ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी न्यायालयों से प्राप्त सुलहनिए वादों की सूची के आधार पर तैयार नोटिस संबंधित थानाध्यक्षों को उपलब्ध कराए जाएंगे। पुलिस प्रशासन की मदद से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि नोटिस सीधे पक्षकारों तक पहुंचे और उन्हें लोक अदालत में उपस्थित होने के लिए प्रेरित किया जाए। बैठक में लोक अदालत की कार्यप्रणाली पर विस्तार से चर्चा करते हुए बताया गया कि यहां बिना किसी शुल्क और बिना जटिल प्रक्रिया के मामलों का समाधान संभव है। पक्षकार आपसी सहमति से अपने विवादों का त्वरित निपटारा करा सकते हैं। इससे समय, धन और संसाधनों की बचत होती है तथा सामाजिक सौहार्द भी बना रहता है। अधिकारियों ने बैंक प्रतिनिधियों से अपील की कि वे अधिक से अधिक लंबित मामलों की सूची उपलब्ध कराएं और संबंधित ग्राहकों को लोक अदालत के माध्यम से समाधान के लिए प्रेरित करें।

बैठक में कार्यालय कर्मी दीपेश कुमार, सुनील कुमार एवं मनोज कुमार रवानी भी उपस्थित रहे। जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने उम्मीद जताई है कि सामूहिक प्रयासों से इस बार की राष्ट्रीय लोक अदालत में रिकॉर्ड संख्या में मामलों का निष्पादन किया जाएगा।

सोलर योजना से गरीब परिवारों को बिजली बिल से मिलेगी राहत

- फ्री सोलर कनेक्शन के लिए 28 फरवरी तक होंगे आवेदन

केटी न्यूज/नवादा

कुटीर ज्योति यानी बीपीएल बिजली उपभोक्ताओं के लिए खुशखबरी है। अब उन्हें बिजली बिल की चिंता नहीं करनी होगी। रजौली विद्युत कार्यपालक अभियंता सुनील कुमार ने बताया की सरकार उनकी छत पर 1.1 केवीए का मुफ्त में सोलर पैनल लगाने जा रही है। इसके लिए बिजली कंपनी ने उपभोक्ताओं से सहमति मांगी है। अगर आपके पास पक्की छत है और योजना का लाभ उठाना चाहते हैं, तो 28 फरवरी तक सुविधा एप के जरिए आवेदन कर सकते हैं।इस कुटूर ज्योति योजना का मकसद गरीब परिवारों को बिजली बिल से राहत देना और ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देना है। सोलर यूनिट लगाने के लिए उपभोक्ता के पास करीब 64 वर्ग फीट पक्की छत होनी चाहिए व जगह छायामुक्त भी होनी चाहिए। उन्होंने बताया की 1.1 केवीए क्षमता के सोलर पैनल के लिए दो सोलर प्लेट लगेंगे। सोलर पैनल और इंस्टॉलेशन का पूरा खर्च विद्युत विभाग उठाएगी।उपभोक्ता को अपनी जेब से एक पैसा नहीं देना है, बस शर्त यह है कि पैनल लगने के बाद उसकी साफ-सफाई और सुरक्षा रखरखाव की जिम्मेदारी उपभोक्ता को खुद की होगी। कुटीर ज्योति योजना एक सरकारी योजना है, जिसका उद्देश्य गरीब परिवारों को घरेलू बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराना है।

सुविधा ऐप से उपभोक्ता करें आवेदन : पहले बहुत से गांवों में लोग मिट्टी के दीये, लालटेन या केरोसिन लैंप का इस्तेमाल करते थे। इससे न केवल खर्च बढ़ता था बल्कि स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए भी खतरा रहता था। आवेदन करने के लिए उपभोक्ता को अपने मोबाइल में गूगल प्ले स्टोर से सुविधा एप डाउनलोड करना होगा।उसके उपरांत एप खोलें और रूफटाप सोलर पैनल स्थापन के लिए सहमित कुटीर ज्योति लिंक पर क्लिक करें। तत्पश्चात अपना कंज्यूमर नंबर सीए नंबर डालें उसके बाद रजिस्ट्रड मोबाइल नंबर ओटीपी आएगा व योजना की जानकारी आएगी उसपर क्लिक करें।सहमति प्रदान करते समय आवेदक को किसी एक पता प्रमाण पत्र जैसे आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र आदि के साथ बीपीएल कार्ड या अन्य पात्रता प्रमाण पत्र जमा करना एवं मांगी गई जानकारी छत का फोटो या एरिया भरकर सबमिट कर दें।जिनके पास स्मार्टफोन नहीं है, वह प्रमंडल कार्यालय के सुविधा काउंटर पर या वसुधा केंद्र की मदद ले सकते हैं। विभागीय सुविधा काउंटर पर यह सेवा बिल्कुल ही मुफ्त है। वहीं विद्युत कार्यपालक अभियंता ने जानकारी देते हुए कहा कि पहले चरण में इस योजना का लाभ उठाने की आखिरी तारीख 28 फरवरी तय की गई है। अधिकारियों का कहना है कि उपभोक्ता अंतिम तारीख का इंतजार न करें और जल्द से जल्द अपनी सहमति दें।

सूरजभान सिंह सहित 8 लोगों के खिलाफ केस दर्ज, अनंत सिंह के समर्थक ने गला दबाकर हत्या की कोशिश करने का लगाया आरोप

एजेंसी। पटना

मोकामा विधायक बाहुबली अनंत सिंह और पूर्व सांसद सूरजभान सिंह के समर्थकों के बीच लड़ाई मामले में पंडारक थाने में केस दर्ज किया गया है। पूर्व सांसद सूरजभान सिंह, उनके भाई कन्हैया और बहनोई माधव कुमार उर्फ खन्ना सिंह सहित 8 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। कांड संख्या 46/26 पंडारक थाने में दर्ज हुआ है। इनके ऊपर अनंत सिंह के समर्थक शोभीर उर्फ सुमित ने गला दबाकर और गले में गमछा डालकर हत्या करने की कोशिश का आरोप लगाया। पटना में इलाज करा रहे शोभीर उर्फ सुमित ने पुलिस को बताया कि बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान अनंत सिंह का समर्थन किया था। इसी वजह से सूरजभान सिंह, कन्हैया और खन्ना सिंह ने गले में गमछा डालकर हत्या करने की कोशिश की। इस दौरान मारपीट भी की गयी। शोभीर की शिकायत के बाद पंडारक थाने में हत्या का प्रयास सहित कई धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुटी है। गौरतलब है कि 22 फरवरी दिन रविवार को मोकामा के विधायक बाहूबली अनंत सिंह और पूर्व सांसद सूरजभान सिंह के समर्थकों के बीच लड़ाई हुई थी। अनंत सिंह के समर्थक शोभीर उर्फ सुमित और उसके भाई अमित कुमार ने सूरजभान सिंह, कन्हैया सिंह, खन्ना सिंह सहित अन्य लोगों पर जान लेवा हमला किये जाने का आरोप लगाया था। इस घटना के बाद मोकामा विधानसभा चुनाव रंजिश का घाव एक बार फिर ताजा हो गया। अनंत सिंह के समर्थक अमित कुमार ने घटना वाले दिन यह बताया था कि उसके भाई शोभीर को लगातार जान से मारने की धमकी मिल रही थी। सूरजभान सिंह के बहनोई खन्ना सिंह एवं अन्य लोगों ने मिलकर उनके भाई शोभीर को बंधक बना लिया और मारपीट की। उन लोगों ने मेरे भाई शोभीर को गले में फांसी लगाने की भी कोशिश की। लेकिन शोभीर इस दौरान किसी तरह वहां से बचकर भाग निकला। लोगों ने उसका पीछा किया लेकिन वह हाथ नहीं आया। वहां से बच निकलने के बाद आनन-फानन में उसे इलाज के लिए पंडारक पीएचसी ले जाया गया। जहां उसकी गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए बाढ अनुमंडलीय अस्पताल रेफर किया. वहां से भी उसे पीएमसीएच रेफर कर दिया गया। वही घायल शोभीर के भाई अमित ने यह भी बताया कि विधानसभा चुनाव के दौरान दुलारचंद यादव की मौत हो गयी थी। हम दोनों भाई अनंत सिंह के समर्थन में खड़े थे, इसलिए हमें फंसाया गया। उस केस के बाद अब जान से मारने की धमकी दिया जा रहा है। वही घायल शोभीर के भाई अमित ने बताया कि माधव कुमार उर्फ खन्ना सिंह, उनका बेटा मिट्ठू, तिशू कुमार, विकास कुमार अनिल सिंह एक हमारे चचेरे बड़े भाई संजय सिंह ने हमला किया है। हम दोनों भाई अनंत सिंह के कार्यकर्ता हैं। दुलारचंद जी वाले घटना में हम लोगों का कोई हाथ नहीं था लेकिन इसके बावजूद मेरे तीन भाईयों को नामजद आरोपी बना दिया गया। इन लोगों ने मेरी गाड़ी पर भी स्कॉर्पियों चढ़ाने की कोशिश की। जब मैं अपने भाई को देखने अस्पताल जा रहा था तभी मुझ पर भी जानलेवा हमला पंडारक में किया गया। अमित ने घटना वाले दिन यह भी बताया था कि इस संबंध में पंडारक थाने को सूचना दे दिये हैं, अभी हम भाई के इलाज में हैं। इसलिए अभी थाने को आवेदन नहीं दिये हैं। डीएसपी साहब और ग्रामीण एसपी अपराजित लोहान को भी इसकी सूचना दिये हैं। उन्होंने यह भी बताया कि विधानसभा चुनाव के दौरान उस वक्त मेरे भाई पर वीणा देवी की गाड़ी का शीशा तोड़ने का आरोप लगा था। वही चुनावी रंजिश को लेकर मेरे भाई को लोग मारना चाहते हैं। वही पंडारक थाना अध्यक्ष नवनीत राय ने रविवार को ही यह बताया कि सूरजभान सिंह के बहनोई खन्ना जी के ऊपर परिजन आरोप लगा रहे हैं, लेकिन अभी तक आवेदन नहीं मिला है। आवेदन मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा था कि विधानसभा चुनाव के दौरान दुलारचंद यादव हत्या मामले में घायल शोभीर पर आरोप लगा था। उसके तीन भाईयों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गयी थी। आज जो मामला सामने आया है कि इसमें एफआईआर दर्ज कर विधि संवत कार्रवाई की जाएगी। घटना के दो दिन बाद मंगलवार को इस मामले में पंडारक थाने में केस दर्ज कराया गया है। सूरजभान सिंह, कन्हैया सिंह और खन्ना सिंह सहित 8 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

रामपुर में कागजों पर चमका ग्रेनाइट बोर्ड, हकीकत में फोटोशॉप का खेल,सरकारी राशि की लूट का नया तरीका

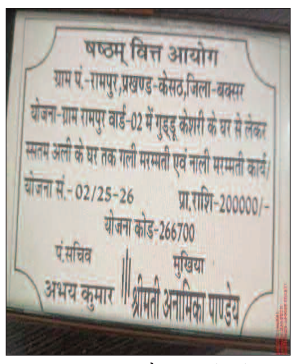

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड की रामपुर पंचायत में विकास योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर गंभीर अनियमितता का मामला लगातार सामने आ रहे है। आरोप है कि षष्ठम वित्त आयोग मद से वार्ड 2 में कराए गए गुड्डू केशरी के घर से रुस्तम अली के घर तक गली-नाली मरम्मत कार्य योजना सं 02/25-26 में प्राक्कलित राशि बोर्ड लगाए बिना ही भुगतान करा लिया गया। ग्रामीणों का दावा है कि स्थल पर ग्रेनाइट प्राक्कलित राशि बोर्ड नहीं लगाया गया, बल्कि कंप्यूटर से तैयार की गई एक डिजिटल तस्वीर को जिओ-टैग कर विभागीय पोर्टल पर अपलोड किया गया। इसी के आधार पर लगभग 5 हजार की बोर्ड मद की राशि भी निकासी कर ली गई।

नियम क्या कहते हैं: सरकारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, किसी भी योजना की शुरूआत से पहले कार्यस्थल पर ग्रेनाइट का सूचना पट्ट लगाना अनिवार्य है, जिसमें योजना संख्या, लागत, कार्य का विवरण और संबंधित अधिकारियों के नाम अंकित होते हैं। इसका उद्देश्य पारदर्शिता सुनिश्चित करना और आमजन को जानकारी उपलब्ध कराना है।

तस्वीर पर उठे सवाल: सोशल मीडिया पर प्रसारित तस्वीर को लेकर स्थानीय लोगों ने सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि तस्वीर में दिख रहा बोर्ड वास्तविक पत्थर का नहीं प्रतीत होता, बल्कि एडिटेड इमेज जैसा दिखता है। ग्रामीणों के अनुसार, यदि सूचना पट्ट ही संदिग्ध है तो कार्य की गुणवत्ता पर भी सवाल उठना स्वाभाविक है। जिम्मेदारों पर आरोप इस प्रकरण में पंचायत प्रतिनिधियों और संबंधित तकनीकी कर्मियों की भूमिका पर प्रश्नचिह्न लगा है। बिना भौतिक सत्यापन के केवल डिजिटल फोटो के आधार पर भुगतान कैसे हुआ, यह जांच का विषय बन गया है।एक स्थानीय नागरिक ने नाम न छापने की शर्त पर कहा,यदि बिना बोर्ड लगाए फोटोशॉप की मदद से जिओ-टैग कर राशि निकाली गई है, तो यह सरकारी धन के दुरुपयोग का गंभीर मामला है। इसकी उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए।

पदाधिकारी ने कहा होगी कार्रवाई: इस सम्बंध में पंचायत राज पदाधिकारी अभय कुमार सिंह ने दूरभाष पर बताया कि इस तरह की सूचना तो नहीं मिली है अगर तथ्य सही पाया गया तो संबंधित पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

छुट्टी खत्म के बाद घर से ड्यूटी के लिए निकले एसएसबी कांस्टेबल राहुल लापता

- अनहोनी की आशंका से परिजनों ने स्थानीय थाने में दिया आवेदन
- रांची के नामकुम में एसएसबी में हेड कांस्टेबल पद है राहुल चौधरी

केटी न्यूज/आरा

पावना थाना क्षेत्र के पवना गांव निवासी एस एस बी के कांस्टेबल रांची नामकुम में पोस्टेड राहुल कुमार चौधरी का 2 दिन बाद भी सुराग नहीं लग पाया है। एसएसबी में कार्यरत कांस्टेबल राहुल कुमार पवना थाना क्षेत्र के पवना गांव निवासी वीरेंद्र चौधरी का बड़ा पुत्र बताए जाते हैं।जिसको लेकर परिजनों ने अनहोनी की आशंका जताते हुए स्थानीय थाने में लिखित आवेदन देकर प्रशासन को मामले से अवगत कराया है। सूत्रों के प्राप्त जानकारी के अनुसार राहुल कुमार चौधरी सब बटालियन में कांस्टेबल पद पर रांची नामकुम में कार्यरत है ।वह शादी समारोह में भाग लेने हेतु अपने गांव आया हुआ था छुट्टी समाप्त होने के बाद वह रविवार को सुबह घर से रांची हटिया ट्रेन में सफर करने हेतु सुबह 8 बजे घर से निकला था। इसके उपरांत कांस्टेबल राहुल कुमार की माता लीलावती देवी ने बताया कि लगभग दिन के 2 बजे के आसपास उसने अपने मोबाइल फोन के माध्यम से बात कर सासाराम पहुंचने की बात कही। इसके उपरांत संध्या 8 बजे कई बार कॉल करने के बाद रिंग होने के बाद भी मोबाइल रिसीव नहीं हो सका, रात्रि 10 बजे उसकी सूचना लेने हेतु संपर्क करने पर मोबाइल बंद होने की सूचना प्राप्त हुई। घर से ड्यूटी के लिए निकले 2 दिन बाद भी अभी तक ना तो संपर्क को किसी से हो पाया है और नहीं किसी तरह की सूचना मिल पाई ।पोस्ट से तैनात राहुल के विभागीय अधिकारियों ने जब कांस्टेबल राहुल के नहीं पहुंचने की सूचना दी तो परिजनों के होश उड़ गए। आवेदन के प्राप्त होने के बाद प्रशासन द्वारा विभिन्न बिंदुओं पर जांच कर बारामदगी की को लेकर कार्रवाई किया जा रहा है ।पावना पंचायत मुखिया शैलेंद्र कुमार सिंह उर्फ मंटू सिंह ने स्थानीय और जिला प्रशासन से युवा कांस्टेबल राहुल कुमार को सकुशल बारामदगी की मांग की है।

एक नजर

प्राण प्रतिष्ठा शतचंडी महायज्ञ के प्रवचन कथा में यज्ञस्थल पर भक्तों की उमड़ी भीड़

बिक्रमगंज। थाना क्षेत्र के जामोढी पंचायत के धावां गांव स्थित ग्रीन पार्क यज्ञशाला में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा सह शतचंडी महायज्ञ के पांचवें दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। इस अवसर पर जगद्गुरु स्वामी संपत कुमाराचार्य जी ने मां काली की महिमा का बखान करते हुए काली और भगवान शिव के दिव्य संबंध को विस्तार से समझाया। हजारों भक्तों ने मां काली के चरणों में नमन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। स्वामी संपत कुमाराचार्य ने कहा कि मां काली और भगवान शिव का संबंध शक्ति और चेतना का है। शिव बिना शक्ति के ह्यशवह्ण माने जाते हैं और शक्ति बिना शिव के अपूर्ण है। मां काली आदिशक्ति का वह स्वरूप हैं, जो सृष्टि के संतुलन के लिए समय-समय पर प्रकट होती हैं। जब दैत्यों और अधर्म का प्रकोप बढ़ता है, तब मां काली रौद्र रूप धारण कर धर्म की रक्षा करती हैं, वहीं भगवान शिव उनके इस विराट स्वरूप को धारण और नियंत्रित करने वाली परम चेतना के प्रतीक हैं। यह प्रसंग दशार्ता है कि शक्ति और शिव एक-दूसरे के पूरक हैं। जहां शिव ध्यान, वैराग्य और संहार के देवता हैं, वहीं मां काली ऊर्जा,साहस और सुरक्षा की अधिष्ठात्री देवी हैं। स्वामी जी ने कहा कि मां काली के पूजन से साधक के जीवन से भय, नकारात्मक ऊर्जा और बाधाएं दूर होती हैं। महायज्ञ के पांचवें दिन वैदिक मंत्रोच्चार और हवन के बीच श्रद्धालुओं ने जयकारे लगाएं। भक्ति गीतों और जय मां काली के उद्घोष से परिसर गूंजता रहा। अंत में स्वामी संपत कुमाराचार्य जी ने सभी भक्तों को आशीर्वाद देते हुए क्षेत्र की सुख-समृद्धि और विश्व कल्याण की कामना की।

प्रधानाध्यापक के विद्यालय में योगदान करने पर हुआ अभिनंदन

कोचस । कोचस प्रखंड के राजवंशी कन्या मध्यविधालय के नये व्ययन एवं निकासी पदाधिकारी सह प्रधानाध्यापक के रूप मे जयराम पाल ने पमंगलवार को योगदान दिया है। विद्यालय मे एक समारोह आयोजित कर प्रखंड के शिक्षकों ने उनको फूलमाला देकर स्वागत सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत शिक्षक घूरफेकन चौधरी व संचालन प्रधानाध्यापक संतोष कुमार सिंह ने किया। वक्ताओं ने कहा कि नये डीडीओ के नेतृत्व में प्रखंड के शिक्षकों का कार्यों का संपादन समय से होगा। नये डीडीओ 1994 बैच के बीपीएससी के शिक्षक हैं और प्रखंड के सबसे वरीय शिक्षक भी हैं।कार्यक्रम को बीरेंद्र सिंह,दिनेश प्रसाद सिंह,कुमारी कंचन, विद्यावती कुमारी,जयप्रकाश सिंह, प्रमोद तिवारी, सुरेश कुमार, शेषनाथ कुमार, ओमप्रकाश गुप्ता,भरत सिंह,संतोष सिंह,उपेंद्र कुमार समेत अन्य ने सम्बोधित किया। मौके पर रंजन कुमार, संतोष सिंह,संजय राम, उषा कुमारी श्रीकांत सिंह, राधेश्याम पाल रवि कुमार,समेत काफी संख्या में शिक्षक मौजूद थे।बता दें कि 31 जनवरी को हीं बिनोद कुमार सिंह के सेवानिवृत के दिन से रिक्त था।

फरार शराब तस्कर को पुलिस ने दबोच भेजा जेल

काराकाट। काराकाट थाना क्षेत्र के अमरथा कंचनपुर में अवैध शराब तस्करी के फरार अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। थाना अध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि पिछले साल दिसंबर में दो मोटरसाइकिल सवार झोला में शराब लादे भाग रहे थे। उस समय एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया था, लेकिन दूसरा फरार हो गया था।पूछताछ में फरार आरोपी की पहचान होने पर उत्पाद अधिनियम 30ए के तहत कांड संख्या 538/25 दर्ज किया गया। इसके बाद पुलिस लगातार छापेमारी करती रही। मंगलवार को कंचनपुर गांव निवासी श्रीनिवास चंद्रवंशी के पुत्र पप्पू कुमार उर्फ पप्पू चंद्रवंशी को गिरफ्तार कर लिया गया। जरूरी कानूनी प्रक्रिया पूरी कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।थाना अध्यक्ष ने चेतावनी दी कि अवैध शराब पर पुलिस की कड़ी नजर बनी हुई है।

सरकार द्वारा 31 मार्च तक किसानों से तीव्र धान खरीदी निर्णय केवल छल : भाई दिनेश

जगदीशपुर। राजद के पूर्व विधायक जगदीशपुर भोजपुर भाई दिनेश ने 31 मार्च तक धान की खरीद बढ़ाने के सरकार के निर्णय को पूरी तरह दिखावटी और भ्रामक बताया है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय किसान हित में नहीं, बल्कि बिचौलियों और व्यापारियों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से लिया गया प्रतीत होता है। भाई दिनेश ने कहा कि सरकार को यह बताना चाहिए कि क्या कभी जमीनी हकीकत जानने का प्रयास किया गया कि किसानों के पास अब बेचने के लिए धान बचा भी है या नहीं ? जब किसानों को वास्तविक रूप से धान बेचने की आवश्यकता थी, उस समय सरकार और प्रशासन सक्रिय नहीं हुआ। नतीजतन,मजबूरी में किसानों को अपना धान कम दाम पर स्थानीय व्यापारियों और बिचौलियों के हाथों बेचना पड़ा। जो खरीद अब अवधि बढ़ाने का निर्णय केवल कागजी कार्रवाई बनकर रह जाएगा।

विद्यालय रात्रि प्रहरी मांगों को लेकर सड़क पर उतरे

पीरो। माध्यमिक व उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में बहाल रात्रि प्रहरी अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलन की राह पर हैं। बिहार विद्यालय रात्रि प्रहरी संघ के बैनर तले आंदोलन कर रहे रात्रि प्रहरियों ने दो दिन पूर्व अपनी मांगों से संबंधित एक ज्ञापन मुख्यमंत्री को समर्पित किया। मुख्यमंत्री को सौंपे गए ज्ञापन में रात्रि प्रहरियों की सेवा 60 वर्षों के लिए नियमित करने, सेवा पुस्तिका संधारित करने, रात्रि प्रहरी का पद सृजित कर परिचारी या निम्नवर्गीय लिपिक के समकक्ष करने, रात्रि प्रहरियों को सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन सीएफएमएस के माध्यम से आनलाइन भुगतान किए जाने, रात्रि प्रहरियों को सुरक्षा किट उपलब्ध कराने आदि की प्रमुखता से की गई है। बिहार विद्यालय रात्रि प्रहरी संघ के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश कुमार यादव, प्रदेश सचिव सुशांत सिंह, कमलेश कुमार आदि ने कहा कि फिलवक्त रात्रि प्रहरियों को महज 10 हजार रुपये मासिक मानदेय दिया जा रहा है वह भी कभी नियमित भुगतान नहीं किया जाता है। महंगाई के इस दौर में मामूली मानदेय से परिवार चलाना भी संभव नहीं हैं। ऐसे में सरकार को रात्रि प्रहरी के वेतन पर पुनर्विचार करने की जरूरत है।

रोहतास पुलिस सप्ताह के उपलक्ष्य में मिनी मैराथन दौड़ का आयोजन

पुलिस कप्तान रौशन कुमार ने दौड़ लगाकर युवाओं में भरा जोश

केटी न्यूज/रोहतास

बिहार पुलिस सप्ताह के गौरवशाली अवसर पर रोहतास जिले में पुलिस और पब्लिक के बीच की दूरी कम करने और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक भव्य मिनी मैराथन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व खुद जिले के पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार ने किया। दौड़ के साथ फिटनेस' का संदेश सुबह की पहली किरण के साथ ही पुलिस लाइन और निर्धारित मार्गों पर पुलिस बल के जवानों और स्थानीय युवाओं का हुजूम उमड़ पड़ा। पुलिस कप्तान रौशन कुमार ने केवल झंडा दिखाकर दौड़ को रवाना नहीं किया, बल्कि खुद भी धावकों के साथ सड़क पर उतरकर कदमताल किया। कप्तान का यह एक्शन अवतार देखकर वहां मौजूद युवाओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।

ऐतिहासिक शेरशाह सूरी मकबरे पर ठहराव : मैराथन का रूट शहर के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को ध्यान में रखते हुए तय किया गया था। दौड़ते हुए पुलिस कप्तान और प्रतिभागियों का काफिला विश्व प्रसिद्ध शेरशाह सूरी के मकबरे पहुँचा। इस दौरान एसपी ने ऐतिहासिक धरोहर के परिसर में रुककर अन्य गतिविधियों में भी हिस्सा लिया। संवाद और अन्य गतिविधियां मैराथन के अलावा कप्तान ने निम्नलिखित गतिविधियों के जरिए जनता से जुड़ने का प्रयास किया। युवाओं से संवाद दौड़ के समापन के बाद उन्होंने स्थानीय युवाओं से बातचीत की और उन्हें नशे से दूर रहकर खेल और करियर पर ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। स्वच्छता और सुरक्षा मकबरा परिसर के आसपास सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और पुलिस सप्ताह के महत्व पर प्रकाश डाला। जन-पुलिस संपर्क उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस सप्ताह का मूल उद्देश्य आम लोगों के मन से पुलिस का भय निकालकर विश्वास पैदा करना है। पुलिस केवल कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए नहीं, बल्कि समाज का हिस्सा बनकर लोगों की सेवा और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए भी प्रतिबद्ध है। मैराथन का उद्देश्य अनुशासन और ऊर्जा का संचार करना है।

ईएसआई योजना और जन स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन

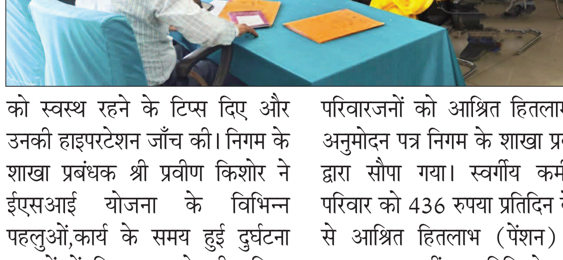

केटी न्यूज/रोहतास

कर्मचारी राज्य बीमा निगम के 75 वें स्थापना दिवस के अवसर पर 24 फरवरी को साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के सासाराम स्थित कार्यालय में उपरोक्त जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। विद्युत आपूर्ति अंचल सासाराम के विद्युत अधीक्षण अभियन्ता इन्द्रदेव कुमार की अध्यक्षता में यह आयोजन कंपनी के विभिन्न विभागों में कार्यरत कान्ट्रैक्ट कर्मचारियों और मानवबल कान्ट्रैक्टर्स के मध्य ईएसआई योजना के विभिन्न पहलुओं से संबंधित जागरूकता बढ़ाने के लिए किया गया। कर्मचारियों की एक बढ़ी संख्या इस आयोजन में उपस्थित थी। आयोजन में निगम के औषधालय सह शाखा कार्यरत डालमियानगर के इंचार्ज डॉ० साकेत कुमार ने उपस्थित कर्मचारियों को स्वस्थ रहने के टिप्स दिए और उनकी हाइपरटेशन जाँच की। निगम के शाखा प्रबंधक श्री प्रवीण किशोर ने ईएसआई योजना के विभिन्न पहलुओं,कार्य के समय हुई दुर्घटना मामलों में हितलाभ पाने की प्रक्रिया आदि की जानकारी दी और कर्मचारियों द्वारा पूछे गए सवालों का उत्तर दिया। इस कार्यक्रम में कंपनी के कर्मचारी स्व. प्रिंस कुमार गुप्ता, जिनकी 22 मई 2024 को कार्य के दौरान बिजली के झटके से दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु हो गई थी, के परिवारजनों को आश्रित हितलाभ का अनुमोदन पत्र निगम के शाखा प्रबंधक द्वारा सौपा गया। स्वर्गीय कर्मी के परिवार को 436 रुपया प्रतिदिन के दर से आश्रित हितलाभ (पेंशन) दिया जाएगा। साथ हीं मृत्यु तिथि से जनवरी 2026 तक के लिए 269886 रुपया एक-दो दिन में परिवारजनों के खाते में भेज दिया जाएगा। इन्द्रदेव कुमार और उपस्थित कान्ट्रैक्टर्स एवं कर्मचारियों ने 2 इस कार्यक्रम के लिए निगम के अधिकारियों का धन्यवाद किया।

गंगा की लहरों पर फिर दौड़ा पटना का रो-पैक्स क्रूज

एजेंसी। पटना

बिहार की राजधानी पटना में गंगा नदी पर सैर का रोमांच एक बार फिर लौट आया है। दीघा घाट से रो-पैक्स क्रूज का संचालन दोबारा शुरू हो गया है, जिससे स्थानीय लोगों और पर्यटकों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। यह क्रूज दीघा घाट से मीनार घाट तक संचालित होता है और गंगा की शांत लहरों के बीच पटना शहर की खूबसूरती का अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करता है। इसका संचालन (बीएसटीडीसी) द्वारा किया जा रहा है। क्रूज के इंचार्ज कैप्टन राहुल के अनुसार, फिलहाल इसका संचालन शाम के समय किया जा रहा है, ताकि यात्री सूर्यास्त के मनमोहक दृश्य का आनंद ले सकें। अभी इस सेवा की जानकारी आम लोगों तक पूरी तरह नहीं पहुंच पाई है, इसलिए घाट पर यात्रियों की उपलब्धता के अनुसार ही क्रूज को रवाना किया जाता है। आने वाले दिनों में घाट पर कैंटीन और अन्य सुविधाएं भी शुरू की जाएंगी, जिससे पर्यटकों को और बेहतर अनुभव मिल सके। रो-पैक्स क्रूज पर सफर करने के लिए प्रति व्यक्ति 250 रुपये का टिकट निर्धारित किया गया है। इस शुल्क में लगभग 40 मिनट का आना-जाना शामिल है। क्रूज करीब 15 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गंगा की धारा पर आगे बढ़ता है, जिससे यात्रियों को आरामदायक और सुरक्षित यात्रा का अनुभव मिलता है। दीघा घाट से मीनार घाट तक के इस सफर में लोग गंगा के विस्तृत जलराशि, किनारों की हरियाली और शहर के विकसित होते रिवरफ्रंट का विहंगम दृश्य देख सकते हैं। शाम के समय बहती ठंडी हवा और ढलते सूरज की सुनहरी किरणें इस यात्रा को और भी यादगार बना देती हैं।यह अत्याधुनिक जलयान ह्मस्वामी परमहंसह्ण नाम से जाना जाता है। कुछ महीने पहले इसे मरम्मत और तकनीकी उन्नयन के लिए कोलकाता के ड्राई डॉक सेंटर भेजा गया था। करीब 50 लाख रुपये की लागत से इसकी व्यापक मरम्मत की गई और इसे आधुनिक तकनीक से लैस किया गया। नियमों के अनुसार हर पांच वर्ष में ड्राई डॉकिंग कराना अनिवार्य होता है, ताकि इंजन, ढांचे और सुरक्षा प्रणाली की गहन जांच की जा सके। सभी तकनीकी जांच पूरी होने के बाद ही इसे वापस पटना लाया गया और अब यह दोबारा सेवा में लौट आया है। करीब 300 यात्रियों की क्षमता वाला यह रो-पैक्स क्रूज पटना में रिवर क्रूज पर्यटन को नई पहचान देने की क्षमता रखता है।

विधानसभा में सीएम नीतीश ने विपक्ष से कहा- फालतू बात मत करिए, सब दिन रहेगी हमारी सरकार

एजेंसी। पटना

बिहार विधानसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने प्रदर्शन शुरू कर दिया। विपक्ष ने दफादार और चौकीदार संघ के सदस्यों की पिटाई के मुद्दे पर सरकार से सवाल पूछा। राष्ट्रीय जनता दल के विधायक कुमार सर्वजीत ने सरकार पर विपक्ष की आवाज दबाने का आरोप लगाते हुए कहा कि निर्मम तरीके से दफादारों और चौकीदारों को पीटा गया। इसके बाद विपक्ष के विधायक "लाठी गोली की सरकार नहीं चलेगी" का नारा लगाने लगे। इसी बीच संसदीय कार्य मंत्री ने उन्हें टोकते हुए कहा कि अगर सरकार नहीं चलेगी तो दफादार और चौकीदार संघ की बात कौन सुनेगा? विपक्ष फिर नारेबाजी करने लगा। सीएम नीतीश कुमार अचानक खड़े हो गए। उन्होंने विपक्ष से कहा कि

आपलोग क्या बोल रहे हैं कि यह सरकार नहीं चलेगी? सरकार सब दिन रहेगी। आप लोग अब कितना हो गए? कितनी कम संख्या हो गई आपलोगों की? हमलोगों की संख्या भी देख लीजिए। राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने सीएम नीतीश कुमार से कहा कि लाठी गोली की सरकार नहीं चलेगी। इस पर सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि फालतू बात मत कीजिए। आपलोगों की सरकार ने कोई काम नहीं किया है। पहले तो लोग शाम को घर से बाहर निकलने से डरते थे। आपलोग गड़बड़ करते थे इसलिए आपलोगों को छोड़ दिए। आपकी सरकार ने कोई काम ही नहीं किया। अब आप जानते हैं कि बिहार कितना आगे बढ़ गया है। इसलिए फालतू बात मत कीजिए। बिना मतलब का प्रदर्शन मत कीजिए। आपलोग जो भी बात कर रहे हैं, उसका कोई मतलब नहीं है। आप अपनी संख्या की बात कीजिए न।

सीएम नीतीश के सामने विपक्ष की नारेबाजी

सीएम नीतीश कुमार की बातें सुनकर विपक्ष के विधायकों ने वेल में आकर जमकर नारेबाजी की। सीएम नीतीश कुमार ने विधानसभा अध्यक्ष से अपील करते हुए कहा कि कहा कि जो सदन में गड़बड़ करे, उसे बाहर कर दीजिए। विधानसभा अध्यक्ष ने विपक्ष के विधायकों को समझाने की काफी कोशिश की लेकिन वह नहीं माने। सभी विधायक हंगामा करने लगे। विधायकों ने जमकर प्रदर्शन किया। श्नीतीश सरकार होश में आओ और नीतीश सरकार हाय हायश् का नारा लगाने लगे। इसके बाद संसदीय कार्य मंत्री ने दफादार और चौकीदार संघ मामले पर विपक्ष के सवाल का जवाब दिया।

जानिए मंत्री विजय चौधरी ने क्या कहा?

संसदीय कार्य मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि सोमवार को दफादार–चौकीदार संघ की ओर से प्रदर्शन किया गया। सरकार ने उन्हें प्रदर्शन करने दिया। अगर सरकार प्रदर्शन के खिलाफ होती तो प्रदर्शन को रोक देती। इसलिए विपक्ष का आरोप गलत है। जहां तक चौकीदार–दफादार की बात है तो उनकी सेवा शर्तों पर सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में जो निर्णय लिए गए हैं, वह ऐतिहासिक है। किसी संगठन को लोक व्यवस्था को छिन्न भिन्न करने का कोई हक नहीं है। उन्होंने सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। लोगों को परेशानी हुई। इसलिए कार्रवाई हुई। विजय चौधरी ने कहा कि सरकार किसी पर अन्याय नहीं करती है। चौकीदारों के संबंध जितना बड़ा ऐतिहासिक निर्णय एनडीए सरकार ने लिया है, उतना किसी ने नहीं लिया। उन्होंने विपक्ष से कहा कि घड़ियाली आंसू बहाने का कोई फायदा नहीं है।

एक नजर

निगरानी की बड़ी कार्रवाई, 10 हजार रुपये घूस लेते प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी गिरफ्तार

समस्तीपुर। समस्तीपुर जिले के दलसिंहसराय में निगरानी विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। विद्यापतिनगर के प्रखंड प्रभारी आपूर्ति पदाधिकारी राजेश कुमार भगत को 10 हजार रुपये घूस लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई दलसिंहसराय स्थित उनके निजी आवास पर की गई। इस मामले की शिकायत डीलर राम इकबाल सिंह ने निगरानी विभाग से की थी। राम इकबाल सिंह ने बताया कि पिछले तीन साल से प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी लगातार पैसों के लिए दबाव बना रहे थे। उन्होंने एडिशनल के नाम पर 31 हजार रुपये की मांग की थी। डीलर ने इसकी जानकारी निगरानी विभाग को दी, जिसके बाद पूरे मामले की जांच शुरू की गई। आरोप है कि राजेश कुमार भगत जन वितरण प्रणाली के तहत अतिरिक्त खाद्य आवंटन बढ़ाने के बदले रिश्वत मांग रहे थे। शिकायत मिलने के बाद निगरानी ब्यूरो ने आरोपों की जांच की। जांच में मामला सही पाया गया। इसके बाद एक धावा दल का गठन किया गया। टीम ने योजना के तहत छापेमारी की और उन्हें 10 हजार रुपये लेते हुए पकड़ लिया।निगरानी थाना में दर्ज हुई प्राथमिकी इस मामले में निगरानी थाना में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। गिरफ्तार अधिकारी से पूछताछ की जा रही है। पूछताछ के बाद उन्हें निगरानी की विशेष अदालत में पेश किया जाएगा। इस कार्रवाई के बाद जिले में हड़कंप मच गया है।

दर्दनाक हादसे में गई युवक की जान, तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार को रौंदा

सासाराम। बिहार में लोग हर दिन सड़क हादसों के शिकार हो रहे हैं। गाड़ियों की तेज रफ्तार की चपेट में आकर असमय ही लोगों की जान जा रही है। ताजा घटना रोहतास के सासाराम से सामने आई है, जहां तेज रफ्तार ट्रक ने एक बाइक सवार युवक को रौंद डाला, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। दरअसल, करबंदीया थाना के आदमपुर में मंडल कारा के समीप एक अनियंत्रित ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार एलआईसी के एजेंट की मौत हो गई। मृतक का नाम राजेश कुमार था, जो डेहरी के कमरनगंज वार्ड नंबर- 39 के निवासी थे। बताया जाता है की डेहरी से सासाराम आ रहे थे। इसी दौरान मंडल कारा के पास ट्रक की चपेट में आ गए। जिससे मौके पर ही राजेश कुमार की मौत हो गई। वह जियुत प्रजापति का पुत्र था। सूचना पर करबंदिया थाना की पुलिस मौके पर पहुंची तथा मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए सासाराम के साथ अस्पताल भेज दिया है। मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पुनारख–किऊल तीसरी–चौथी रेल लाइन को मंजूरी 9,072 करोड़ की 3 मल्टीट्रैकिंग परियोजनाएं स्वीकृत

पटना। पुनारख-किउल के मध्य तीसरी और चौथी लाईन के निर्माण को केन्द्रीय मंत्रिमंडल से मंजूरी मिल गई है। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बिहार और झारखंड के 8 जिलों में व्याप्त रेलवे लाइनों की संख्या बढ़ाने संबंधी तीन मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी है। भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 307 किलोमीटर की वृद्धि होगी।कुल 9,072 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से ये परियोजनाएं 2030-31 तक पूरी होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने आज रेल मंत्रालय की लगभग 9,072 करोड़ रुपये की लागत से रेलवे लाइनों की संख्या बढ़ाने संबंधी तीन परियोजनाओं को स्वीकृति दी।

पटना में अब घर बैठे बुक होगा अंतिम संस्कार स्लॉट, नगर निगम ने शुरू की नई पहल

एजेंसी। पटना

पटना के बांस घाट पर अब अंतिम संस्कार आसान और व्यवस्थित होने जा रहा है। डिजिटल बुकिंग के जरिए परिवार तय समय और विधि चुन सकेंगे, लंबी प्रतीक्षा और अव्यवस्था से राहत मिलेगी, और सभी प्रक्रिया सुरक्षित व पारदर्शी होगी। बिहार में अंतिम संस्कार की प्रक्रिया को सरल और व्यवस्थित बनाने की दिशा में पटना नगर निगम ने एक अहम कदम उठाया है। राजधानी पटना के बांस घाट स्थित आधुनिक शवदाह गृह में अब ऑनलाइन माध्यम से अंतिम संस्कार के लिए स्लॉट बुक करने की सुविधा शुरू की जा रही है। यह पहल पटना स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत लागू की जा रही है, जिसका उद्देश्य नागरिक सेवाओं को डिजिटल और सुगम बनाना है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद लोगों को घाट पर लंबी प्रतीक्षा और अव्यवस्था से राहत मिलेगी। अब बांस घाट पर अंतिम संस्कार के लिए पहले से ऑनलाइन स्लॉट बुक किया जा सकेगा। इससे एक ही समय पर अधिक भीड़ जमा होने की समस्या कम होगी और समय का बेहतर प्रबंधन हो सकेगा। परिवार अपने सुविधाजनक समय का चयन कर सकेंगे। नगर निगम व्हाट्सएप चैटबॉट की सुविधा शुरू कर रहा है। जिसके तहत लोग व्हाट्सएप चैटबॉट नंबर 9264447449 पर मैसेज कर सीधे अंतिम संस्कार का स्लॉट बुक कर सकेंगे। यह प्रक्रिया सरल और तेज होगी, जिससे तकनीकी जानकारी कम रखने वाले लोग भी आसानी से इसका उपयोग कर पाएंगे। नई प्रणाली के तहत चौबीसों घंटे हेल्पलाइन सेवा उपलब्ध रहेगी। यदि किसी परिजन को बुकिंग या अन्य प्रक्रिया में कोई परेशानी होती है तो वे फोन के माध्यम से सहायता प्राप्त कर सकेंगे। इससे कठिन समय में त्वरित सहयोग मिल सकेगा। बांस घाट पर एक विशेष हेल्पडेस्क टीम तैनात की जाएगी। यह टीम रजिस्ट्रेशन, दस्तावेजी प्रक्रिया और अन्य जरूरी औपचारिकताओं में परिवारों की मदद करेगी। इससे मौके पर भ्रम और देरी की स्थिति कम होगी। नगर निगम एक समर्पित ऑनलाइन पोर्टल भी तैयार कर रहा है। इसमें मोबाइल नंबर और एक बार के पासवर्ड के जरिए लॉगिन करना होगा। इसके बाद मृतक का विवरण भरकर अंतिम संस्कार की विधि और समय का चयन किया जा सकेगा। यह प्रणाली सुरक्षित और पारदर्शी होगी। पोर्टल पर इलेक्ट्रिक शवदाह, लकड़ी वाले क्रीमेशन ओवन और पारंपरिक चिता जैसे विकल्प उपलब्ध रहेंगे। परिवार अपनी धार्मिक मान्यताओं और सुविधा के अनुसार विकल्प चुन सकेंगे। इससे प्रक्रिया अधिक लचीली और व्यवस्थित होगी। स्लॉट बुकिंग पूरी होने के बाद मोबाइल पर पुष्टि संदेश भेजा जाएगा, जिससे तय समय की जानकारी मिल सकेगी। अंतिम संस्कार के बाद डेथ सर्टिफिकेट और बर्निंग सर्टिफिकेट ऑनलाइन जारी किए जाएंगे। इससे कागजी प्रक्रिया आसान और सुरक्षित बनेगी। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार पोर्टल अंतिम चरण में है और जल्द ही इसे औपचारिक रूप से शुरू कर दिया जाएगा। इस पहल से बांस घाट की व्यवस्था अधिक पारदर्शी, संगठित और तकनीक आधारित बनेगी। साथ ही शोक की घड़ी में परिवारों को प्रशासनिक झंझट से काफी राहत मिलने की उम्मीद है।

केनरा बैंक के एस.के. नगर शाखा में हुआ सिक्का एवं नोट विनिमय मेला

एजेंसी। पटना

पटना के एस.के. नगर स्थित केनरा बैंक शाखा द्वारा आज सिक्का एवं नोट वितरणझ्रविनिमय मेला का सफल आयोजन किया गया। इस विशेष पहल का उद्देश्य ग्राहकों को नए नोट उपलब्ध कराना तथा पुराने और क्षतिग्रस्त नोटों के विनिमय की सुविधा प्रदान करना था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्राहकों ने भाग लिया और बैंक की इस पहल की सराहना की। कार्यक्रम में श्रीकृष्णा नगर शाखा के प्रबंधक अमर कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक उमेश चौधरी, उदय कुमार, वीरेंद्र प्रसाद, प्रबंधक ओम प्रकाश सिंह, एवं संजय प्रसाद अस्सिटेंट जनरल सेक्रेटरी केनरा बैंक ऑफिसर एसोसिएशन उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय कार्यालय पटना के उप महाप्रबंधक विकास भारती ने शिरकत की।प्रबंधक अमर कुमार ने बताया कि यह पहल आरबीआई के निदेर्शों के अनुरूप की गई है, ताकि ग्राहकों को छोटे नोट और सिक्कों की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि अक्सर बाजार में छोटे नोटों और सिक्कों की कमी महसूस की जाती है, जिससे आम लोगों और व्यापारियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इस मेले के माध्यम से ग्राहकों को पुराने नोट बदलने और नए नोट प्राप्त करने की सुगम सुविधा दी गई।उन्होंने यह भी बताया कि बैंक अपने ग्राहकों की सुविधा के लिए समय-समय पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा, जिससे बैंकिंग सेवाएं और अधिक सुलभ एवं प्रभावी बन सकें।इस अवसर पर अमित राज, अल्का कुमारी, शिवानी शर्मा, निशांत कुमार, कमल नयन किंकर सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

नीट छात्रा रेप-मौत केस : 10 लोगों का पॉलीग्राफ टेस्ट करा सकती है सीबीआई

पटना जिले के शम्भू गर्ल्स हॉस्टल में नीट छात्रा के रेप और मौत मामले की जांच सीबीआई (सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन) लगातार जारी है। सोमवार को सीबीआई टीम हॉस्टल पहुंची और करीब दो घंटे तक छात्रा के कमरे की जांच की। इस दौरान हॉस्टल गार्ड अमरेंद्र भी मौजूद थे, जो सीसीटीवी फुटेज में छात्रा के कमरे का बंद गेट खोलते और उसे गोद में उठाकर पास के डॉ. शहजानंद हॉस्पिटल ले जाते दिखाई दिए थे। सूत्रों के अनुसार, उइक ने घटना के सीन को रीक्रिएट किया। के लिए सबसे बड़ी चुनौती छात्रा के कपड़े से मिले स्पर्म के डीएनए को आरोपी के डीएनए से मिलान करना है। सीबीआई जांच एजेंसी सच उगलवाने के लिए करीब 10 लोगों का (पॉलीग्राफ) टेस्ट कर सकती है। इस टेस्ट के लिए कोर्ट और आरोपी की सहमति जरूरी होती है। जांच के दौरान हॉस्टल संचालिका नीलम अग्रवाल और दोनों महिला वार्डेन नीतू व अन्य वार्डेन को बुलाया गया। टीम ने तीनों से कई सवाल पूछे और उनके बयानों को आपस में मिलाने की कोशिश की। छात्रा की मां और मामी ने शुरूआती

जांच में बताया था कि संचालिका ने उन्हें रुपए का ऑफर दिया था। उइक ने संचालिका से सवाल किया कि उन्होंने ऐसा क्यों किया। छात्रा 5 जनवरी को हॉस्टल लौटने पर कैसी थी, हॉस्टल में अन्य छात्राओं के साथ उसका व्यवहार कैसा था, और रात को वह कब अपने कमरे में गई–इन सभी सवालों की पूछताछ वार्डेन से की गई। जांच टीम ने स्पष्ट किया कि जरूरत पड़ने पर दोबारा पूछताछ की जा सकती है। सीबीआई केस में वैज्ञानिक, तकनीकी और फिजिकल सबूत जुटा रही है। इससे पहले गुरुवार को छात्रा की मामी से पूछताछ की गई थी। मामी ने कहा कि प्रभात मेमोरियल हॉस्पिटल के सीसीटीवी फुटेज की जांच जरूरी है, क्योंकि वहां से महत्वपूर्ण सुराग मिल सकते हैं। मामी ने आरोप लगाया कि जब छात्रा जिंदगी और मौत से जूझ रही थी, हॉस्टल संचालिका नीलू अग्रवाल ने रुपए का ऑफर दिया। मौके पर मौजूद महिला सिपाही ने भी नीलू को थप्पड़ मारा। मामी ने बताया, छात्रा की सांस चल रही थी, उसी समय हॉस्टल संचालिका हॉस्पिटल आई और छात्रा की मां के सिर पर हाथ फेरते हुए कहा– आपकी बेटी को तो हम बचा नहीं पाए, जो पैसा लेना है, ले लीजिए। सीबीआई के सामने मामी ने सवाल उठाया कि यह बातें क्यों की गईं और रुपए का ऑफर परिवार को क्यों दिया गया। यह जानकारी पहले पटना पुलिस एसआईटी को भी दी गई थी, लेकिन एसआईटी ने नीलम अग्रवाल से पूछताछ नहीं की।

बिहार में फरवरी से ही बढ़ने लगी गर्मी, होली तक और चढ़ेगा पारा

एजेंसी। पटना

बिहार में इन दिनों मौसम का मिजाज तेजी से बदलता नजर आ रहा है। फरवरी के अंतिम सप्ताह में ही राज्य के कई हिस्सों में तापमान सामान्य से ऊपर पहुंच गया है, जिससे दिन में हल्की गर्मी का एहसास होने लगा है। वहीं सुबह और रात के समय हल्की ठंड अभी भी बनी हुई है, जो मौसम को संतुलित बनाए हुए है। यह बदलाव संकेत दे रहा है कि अब सर्दी की विदाई और गर्मी की दस्तक शुरू हो चुकी है। राजधानी पटना समेत गया, मुजफ्फरपुर, भागलपुर और दरभंगा जैसे जिलों में अधिकतम तापमान 28 से 32 डिग्री सेल्सियस के बीच रिकॉर्ड किया जा रहा है। वहीं न्यूनतम तापमान 14 से 18

डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है। दिन में तेज धूप लोगों को हल्की गर्मी का अहसास करा रही है, जबकि सुबह के समय ठंडी हवा चलने से मौसम सुहावना बना रहता है। मौसम विभाग के अनुसार, फिलहाल राज्य में किसी बड़े मौसम परिवर्तन की संभावना नहीं है। आसमान साफ रहने की वजह से धूप का असर ज्यादा महसूस हो रहा है। पश्चिमी विक्षोभ का असर फिलहाल बिहार पर नहीं दिख रहा है, जिससे बारिश की संभावना भी कम बनी हुई है। हालांकि कुछ स्थानों पर हल्के बादल छाने की संभावना जताई गई है, लेकिन इससे तापमान में ज्यादा गिरावट नहीं होगी। कृषि के नजरिए से यह मौसम काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। गेहूं, चना और सरसों की फसल इस समय पकने की अवस्था में है, और ऐसा मौसम इन फसलों के लिए अनुकूल माना जाता है। दिन में धूप और रात में हल्की ठंड फसल की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मदद करती है। किसान इस समय सिंचाई और फसल की देखभाल में जुटे हुए हैं, ताकि अच्छी पैदावार मिल सके। हालांकि मौसम में यह बदलाव स्वास्थ्य पर भी असर डाल सकता है। दिन और रात के तापमान में अंतर होने के कारण सर्दी-खांसी और वायरल संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। डॉक्टरों की सलाह है कि लोग सुबह और रात के समय हल्के गर्म कपड़े पहनें और दिन में तेज धूप से बचाव करें। खासकर बच्चों और बुजुर्गों को इस बदलते मौसम में विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। आने वाले दिनों की बात करें तो मौसम विभाग का अनुमान है कि मार्च के पहले और दूसरे सप्ताह तक तापमान में और बढ़ोतरी हो सकती है। कई जिलों में तापमान 34 से 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। ऐसे में गर्मी का असर धीरे-धीरे बढ़ेगा और लोगों को पंखे और कूलर की जरूरत महसूस होने लगेगी। कुल मिलाकर, बिहार में मौसम इस समय संक्रमण के दौर से गुजर रहा है, जहां सर्दी धीरे-धीरे खत्म हो रही है और गर्मी अपना प्रभाव दिखाने लगी है। साफ आसमान, तेज धूप और ठंडी सुबह-शाम का यह मिश्रण लोगों को बदलते मौसम का स्पष्ट संकेत दे रहा है। आने वाले दिनों में तापमान में और वृद्धि होने की संभावना है, जिससे गर्मी का प्रभाव और बढ़ेगा। ऐसे में लोगों को अपनी दिनचर्या और स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने की जरूरत है।

25 हजार का इनामी अपराधी राहुल सिंह गिरफ्तार, 15 संगीन मामलों के आरोपी को सहरसा पुलिस ने दबोचा

एजेंसी। पटना

अपराध नियंत्रण और फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सहरसा पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे 25,000 रुपये के इनामी कुख्यात अपराधी राहुल सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए अपराधी पर सहरसा जिले में हत्या के प्रयास, लूट, आर्म्स एक्ट और शराबबंदी कानून के उल्लंघन के 15 संगीन मामले दर्ज हैं। पुलिस अधीक्षक के सख्त निर्देश पर जिले में वांटेड अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में पुलिस को महिषी थाना कांड संख्या - 331/25 (हत्या का प्रयास और 27 आर्म्स एक्ट) में राहुल सिंह की सरगर्मी से तलाश थी। इस मामले में आरोपी और उसके सहयोगियों ने शिकायतकर्ता के घर पर जाकर मारपीट, फायरिंग की थी और जान से मारने की धमकी दी थी। घटना के बाद से ही आरोपी लगातार पुलिस को चकमा दे रहा था और गिरफ्तारी से बचने के लिए बार-बार अपना ठिकाना बदल रहा था। अपराधी की धमक और मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (सदर) के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया था। इस टीम में जिला आसूचना इकाई (उक्क्र) और महिषी थाना पुलिस को शामिल किया गया। गठित टीम ने तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया और मानवीय मुखबिरों (आसूचना संकलन) के आधार पर जाल बिछाया।